E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 50 | प्रयागराज, बुधवार 29 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार,अमेरिका से भी नाकेबंदी हटाने को कहा, ट्रम्प ने पेशकश ठुकराई

वॉशिंगटन डीसी। ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए रविवार को एक नया प्रस्ताव दिया था।इसमें मुख्य रूप से 3 शर्तें थीं- 1. अमेरिका-इजराइल के साथ चल रहा युद्ध खत्म हो और आगे हमला न करने की गारंटी मिले। 2. फिर अमेरिका की समुद्री नाकेबंदी हटे, होर्मुज खुले और जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू हो. 3. सबसे आखिर में परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम संवर्धन जैसे विवादित मुद्दों पर बात हो। हालांकि ट्रम्प इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। सीएनएन के मुताबिक ट्रम्प सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा। इसलिए दोनों का हल एक साथ ही निकाला जाना चाहिए। ट्रम्प ने दो दिन में दूसरी बार ईरान का प्रस्ताव ठुकराया है। दरअसल, पिछले कई हफ्तों से

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के जरिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम मुद्दों पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। अमेरिका की मांग थी कि ईरान 20 साल तक अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दे और अपने पास मौजूद 440 किलो समृद्ध यूरेनियम सौंप दे। ईरान ने इन मांगों को बहुत ज्यादा और अनुचित बताते हुए मानने से इनकार कर दिया था। ईरान का पहला प्रस्ताव (जो खारिज हुआ) 5 साल तक यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह रोका जाएगा उसके बाद 5 साल तक बहुत कम स्तर पर, सिर्फ नागरिक उपयोग के लिए संवर्धन होगा अपने यूरेनियम भंडार को कम किया जाएगा आधा हिस्सा अंतरराष्ट्रीय निगरानी में ईरान में रहेगा बाकी आधा रूस को दे दिया जाएगा। ईरान ने 26 अप्रैल को यह प्रस्ताव दिया था, जिसे ट्रम्प ने ठुकरा दिया था। इसके बाद ईरान ने अपनी रणनीति बदलते हुए कहा कि अभी कठिन मुद्दों को अलग रखा जाए। पहले युद्ध खत्म करने से जुड़े कदम उठाए जाएं, जैसे होर्मुज को खोलना और नाकेबंदी हटाना, और बाद में परमाणु कार्यक्रम जैसे जटिल मुद्दों पर बातचीत की जाए, जिसे 27 अप्रैल को एक बार फिर से ट्रम्प ने ठुकरा दिया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे ईरानी विदेश मंत्रीः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार सुबह रूस की अपनी यात्रा खत्म करने के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। पिछले 48 घंटों में यह उनका तीसरा पाकिस्तान दौरा है। पुतिन से मिले ईरानी विदेश मंत्री- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक रिश्तों और मौजूदा हालात पर चर्चा हुई। रूस ने यूएस-इजराइल हमलों की आलोचना की- रूस ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के दूरगामी असर होंगे। मॉस्को ने इसे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए गंभीर कदम बताया। फ्रांस बोला- ईरान नरम पड़े तभी निकलेगा हल- फ्रांस ने कहा है कि अगर जंग खत्म करनी है तो ईरान को बड़े समझौते करने होंगे और अपने रुख में बदलाव लाना होगा। जर्मनी ने अमेरिका की रणनीति पर सवाल उठाए- जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि ईरान के सामने अमेरिका कमजोर दिख रहा है। उन्होंने वॉशिंगटन की रणनीति पर सवाल उठाए।

पंजाब में रेलवे ट्रैक पर धमाका,पटरी टूटी, पास में लाश के चिथड़े मिले,एक सप्ताह पहले ब्लास्ट की धमकी आई थी

पटियाला। अंबाला से अमृतसर रेल फ्रेट कॉरिडोर लाइन पर सोमवार रात को आईईडी धमाका हुआ। यह घटना रात करीब साढ़े 8 बजे रेलवे स्टेशन राजपुरा-शंभू के नजदीक हुई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ, पंजाब पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ समय पहले ही रेल लाइनों पर सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी, जिसे पुलिस ने हल्के में लिया और कोई जांच नहीं हुई। इसके बाद यह घटना हुई है। घटनास्थल के पास एक अज्ञात शव भी बरामद किया गया है, जिसके चिथड़े उड़ गए थे। उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शव के अवशेषों के साथ पगड़ी भी मिली है, जिसमें बाल लिपटे हुए थे। पुलिस का कहना है कि यह व्यक्ति ब्लास्ट करने आया था, जो खुद भी उड़ गया। स्थानीय पुलिस भी मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि यह बड़ी घटना है, इसलिए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी जांच के लिए मौके पर पहुंच रही हैं। यूपी-हरियाणा नंबर की 2 बाइक बरामद-पुलिस सूत्रों के

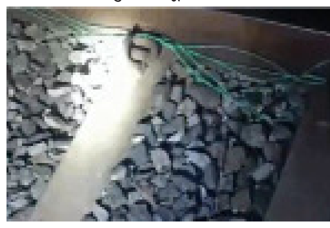

मुताबिक, घटनास्थल के पास से 2 मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं, जो यूपी और हरियाणा नंबर की बताई जा रही हैं। पुलिस इनकी पड़ताल करने में जुटी हुई है। जहां घटना हुई है, वह हरियाणा के पास लगता सुनसान इलाका है। एसएसपी ने मामले में ये बातें बताईं- लो इंटेंसिटी एक्सप्लोजन की सूचना आईः इस घटना के संबंध में पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि कल देर रात पटियाला पुलिस को शंभू-हरियाणा बॉर्डर के पास एक रेलवे ट्रैक पर कम तीव्रता वाले विस्फोट (लो इंटेंसिटी एक्सप्लोजन) की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही डीआईजी पटियाला रेंज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। धमाका करने वाला व्यक्ति मारा गयाः एसएसपी ने बताया- मौके का मुआयना कर पता चला कि यह केवल एक विस्फोट नहीं था, बल्कि बड़ा बम धमाका करने का एक प्रयास (अटेम्प्टेड डिटोनेशन) था। जो व्यक्ति धमाका करने की कोशिश कर रहा था, उसकी इस प्रयास के दौरान मौत हो गई और उसका शव मौके से बरामद किया गया। मौके से सिम और अन्य सबूत मिलेः अधिकारी ने कहा- इस घटना में किसी अन्य व्यक्ति की जान या संपत्ति का कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मौके से एक सिम कार्ड सहित अन्य सबूत बरामद किए हैं। इस पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश करने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है और इसमें जीआरपी, पीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी शामिल किया गया है। पुलिस ने हल्के में ली धमकी-एक सप्ताह पहले ही अज्ञात ईमेल के जरिए पंजाब व हरियाणा में रेलवे ट्रैक को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में बाकायदा 24 अप्रैल को 8:11 मिनट पर अंबाला से लेकर दिल्ली तक रेलवे ट्रैक पर धमाके करने की धमकी दी गई थी। पंजाब में भी लुधियाना, अमृतसर, बठिंडा, फिरोजपुर में रेलवे ट्रैक उड़ाने की धमकी थी। इस धमकी को रेलवे पुलिस और जांच एजेंसियों ने हल्के में लिया और नतीजन धमकी देने वालों ने वारदात को अंजाम दे दिया।चौथे महीने में रेल लाइनों पर दूसरा ब्लास्ट-पंजाब रेल लाइनों पर बम धमाके का यह दूसरा बड़ा मामला सामने आया है। इससे पहले इसी वर्ष 23 जनवरी को सरहिंद के खानपुर में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें मालगाड़ी का इंजन पटरी से उतर गया था। इसमें रेल पायलट भी घायल हुआ था।

मोदी ने सिक्किम में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली,सोशल मीडिया पर कहा- एनर्जी से भर गया

राज्य के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

गंगटोक। पीएम नरेंद्र मोदी 2 दिन के सिक्किम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली। पीएम ने सोशल मीडिया पर फुटबॉल खेलते हुए तस्वीरें शेयर की। पीएम ने एक्स पर लिखा, 'इन बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया।' मोदी राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा रु4000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके बाद राजधानी गंगटोक में जनसभा भी किया। मोदी सोमवार शाम को सिक्किम पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने लिबिंग हेलिपैड से गवर्नर हाउस (लोक भवन) तक उन्होंने रोड शो किया। 16 मई 2025 को सिक्किम को राज्य बने 50 साल पूरे हुए थे। तब पीएम वर्चुअली 50वें स्थापना दिवस समारोह से जुड़े थे।मंगलवार को एक साल से चल रहे समारोह का समापन होगा। 4 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास-पीएम अपने दो दिवसीय दौरे पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, पर्यावरण और कृषि से जुड़ी लगभग रु4हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें नामची में 100 बेड का अस्पताल, देवराली में 30 बेड का अस्पताल, तीस्ता नदी पर दो डबल-लेन स्टील पुल और गंगटोक में सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट शामिल हैं। 16 मई 1975 को सिक्किम भारत का हिस्सा बना- 1947: भारत की आजादी के समय नेहरू चाहते थे कि जैसे भूटान के

साथ भारत ने मित्रता की संधि की है, वैसे ही सिक्किम के साथ भी हो जाए। 1950 में भारत-सिक्किम शांति समझौता हुआ। इसके तहत सिक्किम भारत का प्रोटेक्टर स्टेट यानी संरक्षित राज्य बना। अब सिक्किम की सुरक्षा और विदेश नीति की जिम्मेदारी भारत की थी। 1967:1 अक्टूबर, 1967 को चीनी सेना ने नाथू-ला के रास्ते सिक्किम में घुसपैठ की कोशिश की।भारतीय आर्मी इस हमले को रोकने में सफल रही, लेकिन भारत को समझ आ गया था कि उत्तर पूर्वी भारत में घुसने के लिए चीन, सिक्किम के रूट पर नजर गड़ाए बैठा है। सिक्किम के राजा चोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल सिक्किम को भूटान जैसा दर्जा देने की मांग करने लगे। 1973: इंदिरा गांधी सिक्किम की समस्या का हल चाहती थीं। उन्होंने खुफिया एजेंसी रॉ के चीफ आरएन काव से मदद मांगी। इसके बाद काव ने 1973 में सिक्किम में ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन का नाम था- 'जनमत' और 'ट्विलाइट'। 1974: विधानसभा चुनाव के बदा काजी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने विधानसभा में 'द गवर्नमेंट ऑफ सिक्किम एक्ट, 1974' पास कराया, जिससे सिक्किम को भारत के एसोसिएट स्टेट का दर्जा मिला। 25 जून 1974 को चोग्याल सिक्किम का भारत से अलग राज्य का दर्जा बनाए रखने की बात करने भारत आए, लेकिन इस बातचीत से स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। 1975: 9 अप्रैल 1975 को भारतीय सेना की 64 माउंटेन ब्रिगेड सिक्किम के राजमहल पहुंची। एक सैनिक ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसे गोली मार दी गई। नितिन ए. गोखले अपनी किताब, 'आर. एन. काव- जेंटलमैन स्पायमास्टर' में बताते हैं, '20 मिनट से भी कम समय में भारतीय सेना ने सिक्किम गार्ड्स को निशस्त्र कर दिया।' चोग्याल को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। इसके बाद 14 अप्रैल 1975 को सिक्किम में एक रेफरेंडम कराया गया, इसमें सिक्किम के लोगों ने भारत में शामिल होने या न होने के लिए वोटिंग की।

टीवी होस्ट ने मेलानिया से विधवा होने वाला मजाक किया, ट्रम्प बोले- नौकरी से निकालो

वॉशिंगटन। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने टीवी होस्ट

जिमी किमेल पर परिवार को लेकर विवादित मजाक करने का आरोप लगाते हुए एबीसी नेटवर्क से कार्रवाई की मांग की है। मेलानिया ने कहा कि किमेल का बयान नफरत फैलाने वाला और हिंसक सोच को बढ़ावा देने वाला है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर से पहले अपने शो में जिमी किमेल ने मेलानिया ट्रम्प पर टिप्पणी करते हुए उन्हें 'होने वाली विधवा कहा। इस बयान के बाद ट्रम्प समर्थकों ने नाराजगी जताई। मेलानिया ट्रम्प ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह कॉमेडी नहीं, बल्कि जहरीली राजनीति है। उन्होंने सवाल उठाया कि एबीसी प्रबंधन कब तक ऐसे व्यवहार को सहन करेगा। उन्होंने नेटवर्क से सख्त कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी जिमी किमेल की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी हिंसा को बढ़ावा देने जैसी है। उन्होंने एबीसी और डिज्नी से किमेल को तुरंत हटाने की मांग की।शनिवार रात व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग की घटना के बाद यह विवाद और बढ़ गया। सुरक्षा एजेंसियों ने ट्रम्प और मेलानिया को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में सोशल मीडिया पर किमेल की पुरानी क्लिप वायरल हुई। पुलिस ने 31 वर्षीय संदिग्ध कोल टोमस एलन को गिरफ्तार किया है। उस पर राष्ट्रपति की हत्या के प्रयास और हथियार रखने से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। जिमी किमेल पहले भी राजनीतिक टिप्पणियों को लेकर विवादों में रहे हैं। पिछले साल भी उनके बयान पर विरोध हुआ था।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर काशी पहुंचे, 25 हजार महिलाओं को किया संबोधित

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के दौरे पर मंगलवार दोपहर 1:40 बजे काशी पहुंचे। एयरपोर्ट से वे हेलिकॉप्टर से बरेका गेस्ट हाउस पहुंचे। यहां राज्यपाल

आनंदी बेन पटेल और सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। पीएम यहां पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की। शाम 4 बजे पीएम डीएलडब्लू ग्राउंड में महिला जन आक्रोश रैली को संबोधित किए। इस दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं मौजूद थीं, कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री 6,332 करोड़ रुपए की 163 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किए। इनमें सिग्नेचर ब्रिज और कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शामिल हैं। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, यूपी के दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी आयोजन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री का यह 11 साल में 54वां काशी दौरा है। हालांकि, यह 2026 का पहला दौरा है। इससे पहले, पीएम नवंबर 2025 में काशी आए थे। भाजपा अध्यक्ष और सीएम योगी के पहुंचने पर लहुराबीर में ट्रैफिक जीरो कर दिया गया। इस दौरान बैरिकेडिंग करके सभी को रोक दिया गया। वाराणसी के गिलट बाजार तिराहे पर भाजपा कार्यकर्ता खूब उत्साहित दिखे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के स्वागत में ढोल के साथ पहुंचे और जयकारे लगाए। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले ट्रैफिक पुलिस ने शहर में ट्रैफिक एडवाइजारी लागू कर दी है। डायवर्जन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से रात 11 बजे तक तथा बुधवार की सुबह 4 बजे से सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। बीएलडब्ल्यू परिसर के अंदर सिनेमा हाल तिराहा, सेंट्रल मार्केट, सूर्य सरोवर, डी-05 रेलवे क्रासिंग, गोमती मार्केट और इंटर कालेज चौराहा समेत कई स्थानों पर वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। कार्यक्रम स्थल की ओर किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। वाराणसी में पीएम मोदी के आने से मंगलवार सुबह बंगाली महिलाएं चौसठी घाट पर पहुंचीं। यहां शंखनाद किया। महिलाओं का कहना है कि बंगाल में चल रहे चुनाव में वे जीत को लेकर आश्वस्त हैं और उसी खुशी में काशी में यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के वाराणसी आगमन पर वे भव्य स्वागत करेंगी, शंखनाद करेंगी, पुष्प वर्षा करेंगी और आरती उतारकर उनका अभिनंदन करेंगी। वाराणसी दौरे के दौरान पीएम मोदी सिग्नेचर ब्रिज का भी शिलान्यास करेंगे। बता दें पुरानी जीटी रोड पर बने राजघाट पुल (मालवीय पुल या डफरिन ब्रिज) की मियाद खत्म हो चुकी है। ऐसे में नया सिग्नेचर ब्रिज बनाने की कवायद की जा रही है। साल 1887 में बनकर तैयार हुए इस पुल को तत्कालीन अवध और रुहेलखंड रेलवे के इंजीनियरों ने तैयार किया था। यह कोलकता लाइन को मुगलसराय जंकशन जो अब पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंकशन हो गया है, उससे जोड़ता है।

ईरानी विदेश मंत्री ने पुतिन से मुलाकात की,रूसी राष्ट्रपति बोले- ईरान अपनी आजादी के लिए लड़ रहा

वॉशिंगटन डीसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया। रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का संदेश मिला है। अराघची की यह यात्रा

ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ अहम बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनाव, रुकी बातचीत और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने के विकल्प पर भी चर्चा हो सकती है। ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ईरानी विदेश मंत्री ने पाक पीएम और आर्मी चीफ से मुलाकात की- अब्बास अराघची ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मिलकर बातचीत की। अराघची ने ओमान के सुल्तान से की मुलाकात- मस्कट में ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ युद्ध और शांति बहाली पर चर्चा हुई। ईरान और फ्रांस के विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत- दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने सीजफायर और कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की ट्रम्प और ब्रिटिश पीएम के बीच फोन कॉल- डोनाल्ड ट्रम्प और कीर स्टार्मर ने होर्मुज में शिपिंग बहाल करने पर बात की। जापान को अमेरिका से पहला तेल टैंकर मिला- होर्मुज संकट के बीच जापान को अमेरिका से कच्चे तेल का टैंकर मिला, जो पनामा नहर के रास्ते पहुंचा।

किरेन रिजिजू-उन्होंने स्वीकारा कांग्रेस महिला विरोधी, शशि थरूर बोले- 7 गवाह, मैंने ऐसा कहा ही नहीं

नयी दिल्ली। महिला आरक्षण पर पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक खूब हंगामा

हुआ। सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किया, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते यह विधेयक पारित नहीं हो सका। अब इस मुद्दे पर किरेन रिजिजू ने एक बार फिर कांग्रेस पर हमला किया है। साथ ही दावा किया है कि शशि थरूर भी उनकी इस टिप्पणी से सहमत थे कि कांग्रेस को महिला विरोध पार्टी के रूप में देखा जा सकता है। वहीं शशि थरूर ने उनके इस बयान को फर्जी बताया। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए गए इंटरव्यू में किरेन रिजिजू ने कहा, 'संसद सत्र समाप्त होने के बाद हमने एक तस्वीर ली। इस दौरान शशि थरूर ने कहा, कोई भी महिला मुझे महिला विरोधी नहीं मानेगी। मैंने उन्हें जवाब देते हुए कहा, हां कोई भी महिला आपको महिला विरोधी नहीं कहेगी। यह मैं मानता हूं। लेकिन आपकी पार्टी महिला विरोधी है।' किरेन रिजिजू ने दावा किया शशि थरूर ने मेरी इस बात को मानी और मैंने शशि थरूर की बात को स्वीकार किया।किरेन रिजिजू ने कहा, शशि थरूर का यही मतलब था कि पार्टी महिला विरोधी हो सकती है लेकिन कोई भी महिला शशि थरूर को महिला विरोधी नहीं मानेगी। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए रिजिजू ने कहा, शायद यह इसलिए कि वह महिलाओं में बहुत लोकप्रिय हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के इस दावे पर शशि थरूर ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही है और न ही ऐसा कोई संकेत दिया है। थरूर ने कहा, कि फोटो में 7 लोग है, जो असलियत बता सकते हैं। शशि थरूर ने कहा, सोनिया गांधी के नेतृत्व में एक सशक्त महिला राष्ट्रपति के रूप में हमने महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण के लिए आवाज उठाई है। महिला आरक्षण विधेयक की पहल की, इसे हमारे कार्यकाल में राज्यसभा में पारित कराया और 2023 में भारत सरकार द्वारा लोकसभा में लाए जाने पर इसका समर्थन किया। हम महिला आरक्षण के पूर्णतः पक्षधर हैं और परिसीमन से जोड़े बिना इसे अभी लागू करने के लिए तैयार हैं। विपक्ष पर हमलावर हुए किरेन रिजिजू- केंद्रीय मंत्री ने 131 संविधान संशोधन विधेयक का विरोध करने वाली विपक्षी पार्टियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कौन सोच सकता था कि कोई महिलाओं के खिलाफ वोट देगा? हमारे पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है लेकिन सपने में भी किसने सोचा होगा कि कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी महिलाओं के खिलाफ वोट देंगी?' रिजिजू ने आगे कहा कि विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी पार्टियों को महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने तर्क दिया कि इस मुद्दे को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। इंटरव्यू के दौरान रिजिजू ने विपक्ष के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि विधेयक महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से अनुचित रूप से जोड़ता है। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि परिसीमन को जोड़ा गया है। 2023 के कानून में लिखा है कि परिसीमन 2026 की जनगणना के बाद होगा और इसे लागू किया जाएगा। तब इसका विरोध क्यों नहीं किया गया?' उन्होंने दक्षिणी राज्यों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विपक्ष की चिंताओं को भी खारिज करते हुए कहा कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या में समान रूप से वृद्धि होगी, साथ ही महिलाओं के लिए 33इ आरक्षण भी लागू होगा। विपक्ष द्वारा लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की मांग पर रिजिजू ने तर्क दिया कि वर्तमान व्यवस्था पुरानी हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'सीटें 1971 की जनसंख्या के आधार पर तय की गई थीं। कुछ सीटों पर 30 लाख या 40 लाख मतदाता हैं। क्या लोकतंत्र इसी तरह काम करना चाहिए?' उन्होंने आगे कहा, भारत में जनसंख्या से सीट अनुपात कई अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण कार्य में लापरवाही व शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के विरूद्ध होगी कड़ी कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र।जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जनपद में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, पर्यटन कार्यालय तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय लोढ़ी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच थर्ड पार्टी के माध्यम से कराई जाए साथ ही कार्यस्थल पर श्रमिकों से संबंधित सभी रजिस्टर अद्यतन रूप से उपलब्ध रखने तथा निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यटन कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि को फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि भवन का उपयोग जल्द से जल्द प्रारंभ किया जा सके। निरीक्षण के दौरान राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय लोढ़ी के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने अधिशासी अभियंता यूपी सिडको को निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाने हेतु श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए और निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला अर्थ संख्या अधिकारी संत पाल वर्मा, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती, ए0डी0एस0टी0ओ0 जय सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत समीक्षा बैठक की आयोजित की गयी जिसपर महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के बैंकों में वितरण हेतु लम्बित आवेदन पत्रों को दिनांक 30.04.2026 तक ऋण वितरण करने हेतु जिला समन्वयको को निर्देश दिये गये एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रबन्धकों को प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया जिनका विवरण निम्नवत् है:-1-

बैंक आफ बड़ौदा, नैनी, मडेवा, शंकरगढ़, 2- बैंक आफ इण्डिया टेला, 3- यूको बैंक कोरावं. 4- उ0प्र0 ग्रामीण बैंक सारंगापुर को दिया गया तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में एस0एल0बी0सी0 द्वारा दिये गये लक्ष्य की पूर्ति न करने वाले बैंक जैसे स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक यूनियन बैंक आफ इण्डिया, एच0डी0एफ0सी0 बैंक एवं आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक इत्यादि से सरकारी विभागों द्वारा संचालित सरकारी खातो को हटा कर अच्छे कार्य करने वाले बैंको में खाता खोलने के निर्देश अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा को दिये गये। वित्तीय वर्ष 2026-27 में शासन द्वारा विभाग को 2800 का लक्ष्य प्रदान किया गया है जिसकी पूर्ति हेतु समस्त जिला समन्वयकों को ससमय लक्ष्य पूर्ति करने हेतु कड़े निर्देश दिये गये हैं यदि किसी बैंक द्वारा लक्ष्य की पूर्ति नही की जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाडी प्रचलित कर दी जाएगी।

संभागीय परिवहन प्राधिकरण लखनऊ की बैठक 14 मई 2026 का

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) रायबरेली अरविन्द कुमार यादव ने सर्वसाधारण को सूचित किया है, कि संभागीय परिवहन प्राधिकरण लखनऊ की बैठक 14 मई 2026 को सायं 04:00 बजे से आयुक्त, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के सभागार कक्ष में होना नियत की गयी है। बैठक में लखनऊ संभाग के अन्तर्गत सभी जनपदों से सम्बंधित समस्त प्रकार के परमिटों के प्रकरणों पर व अन्य नीतिगत विषयों पर विचार कर निर्णय करने के साथ-साथ मा0 उच्च न्यायालय व मा0 राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण उ0प्र0 द्वारा पारित विभिन्न आदेशों पर अनुपालन हेतु प्राधिकरण के समक्ष सम्बंधित प्रकरण प्रस्तुत किये जायेगें।

दबिश के दौरान 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व लगभग 300 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 01 एवं आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 02 की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील सदर के थाना गुरुबक्शगंज अंतर्गत ग्राम पथरीगढ़ एवं घाटमपुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 300 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

पानी का बढ़ता बाजार गुलामी का नया मार्ग - जलयोद्धा आर्य शेखर,प्याऊ भारतीय सभ्यता संस्कृति एवं दर्शन की परिचायक-डॉ प्रमोद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जल साक्षरता अभियान सीएमपी डिग्री कॉलेज, केंद्रीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद के तत्वाधान में आज रसायन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ प्रमोद शर्मा के संयोजन में मां गंगा पोशाला, प्याऊ का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षाविद एवं छात्र इस पुनीत एवं पावन बेला के सहभागी एवं साक्षी रहे वही राष्ट्रीय मां गंगा पोशाला अभियान के अगुआ प्याऊमैंन जलयोद्धा आर्य शेखर की उपस्थिति में विधिवत मंत्र उच्चारण करते हुए उपस्थित महाविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर एवं शिक्षाविदों द्वारा जल से भरे घड़े का माल्यार्पण कर पूजन करने के साथ जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जलयोद्धा आर्य शेखर ने शास्त्र अनुसार जलदान को महादान बतलाया और प्याऊ लगाना पुण्य कार्य एवं संस्कार और परंपरा का विषय था। तो वहीं आज पानी का बढ़ता बाजार कहीं ना कहीं भविष्य एवं आने वाली पीढियां के लिए एक कुठाराघात है परिणाम स्वरूप धीरे-धीरे इस कुचक्र में आज की आधुनिक पीढ़ी सहभागी होकर पानी के बाजार को ही बढ़ाने और फैलाने में ही लगा हुआ है, तो वही सीएमपी डिग्री कॉलेज के जल साक्षरता अभियान द्वारा प्रत्येक वर्ष आम जनमानत के लिए निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ तमाम शिक्षा केंद्रो एवं लोगों के लिए उदाहरण है जो जाने अनजाने कहीं ना कहीं पानी के बढ़ते बाजार के विरुद्ध एक ठोस हथियार और अनुकरणीय उदाहरण बन रहा है। जलयोद्धा ने कहा किया दुर्भाग्य ही है कि जो जल देवता था आज वह बाजार की वस्तु बन गया है और जो कार्य सेवा और पुण्य का था वह लाभ हानि का बन गया। परिणाम स्वरूप पश्चिमी सभ्यता को अपनाकर आज हमने पूरे देश को आर वो वाटर का नशेड़ी बना डाला। जबकि जिस डब्ल्यू. एच.ओ की विश्वसनीयता पर इस नई पानी की तकनीक को देश में फैलाया गया वही आज आरो के पानी को कैंसर का मुख्य कारण बतलाया जा रहा है। समय रहते हम सबको सचेत होने की आवश्यकता है अन्यथा हम स्वास्थ्य के साथ अपने जलाधिकार के अधिकार को भी खो देंगे परिणाम स्वरुप पानी का बाजार गुलामी का नया रास्ता सिद्ध होगा। जिसके विरुद्ध विकल्प एवं हथियार के रूप में सिर्फ और सिर्फ प्याऊ और जल मंदिर ही सफल उदाहरण बन सकते हैं। शुभारंभ अवसर पर पिछले कई वर्षों से अनवरत महाविद्यालय में प्याऊ जल मंदिर का सफल संचालन कर रहे प्रेरक ऊर्जा कर्मठ एवं सज्जन शक्तियों का जल प्रहरी सम्मान स्वरूप सामूहिक अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में पंच परमेश्वर विद्यापीठ द्वारा संचालित लगे पौशाला अभियान की सराहना करते हुए डॉक्टर प्रमोद शर्मा जी ने प्याऊ संचालन एवं सहयोग हेतु पंच परमेश्वर विद्यापीठ द्वारा किए जा रहे प्रयास को आज की आवश्यकता एवं सुखद भविष्य का सबसे बड़ा विकल्प बतलाया प्याऊ शुभारंभ के साथ ही उपस्थित सभी सज्जन शक्तियों ने देसी गुड़ और शीतल जल का आनंद पान भी किया।इस पुनीत अवसर पर सीएमपी डिग्री कॉलेज के सम्मानित प्रोफेसर आरती गुप्ता, प्रो.संतोष श्रीवास्तव, प्रो. अनिल कुमार शुक्ल, प्रो.अर्चना पांडेय डॉक्टर दीपा श्रीवास्तव, डॉक्टर अकरम अली डॉक्टर रंजीत, डॉक्टर डी.के.साहू, जल मित्र धीरज यादव, अवधेश कुशवाहा, रीता श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय अन्य सदस्य उपस्थित रहे। जल देवता तुम्हें नमन, हर हर गंगे जय जय गंगे के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

ग्राम रोजगार सेवकों ने विधायक भूपेश चौबे को सौंपा 10 सूत्री ज्ञापन, मानदेय व नियमितीकरण की मांग

जिलाध्यक्ष विनय पाण्डेय बोले- 15 दिन में समाधान नहीं तो विधानसभा का होगा घेराव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। मंगलवार को ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र, वेलफेयर एसोशिएशन जनपद सोनभद्र के जिलाध्यक्ष विनय

पाण्डेय के नेतृत्व में राबट्र्सगंज विधायक भूपेश चौबे को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जनपद के समस्त ग्राम रोजगार सेवकों के 8 माह का मानदेय बकाया है। 4 अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को लागू करने, एचआर पॉलिसी, मानदेय बढ़ोतरी व 20 वर्षों से लगातार कार्यरत मनरेगा कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर बार-बार शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे ग्राम रोजगार सेवकों में आक्रोश व्याप्त है। मानदेय न मिलने से बच्चों की पढ़ाई व भविष्य पर असर पड़ रहा है। हम लोग भूखमरी के कगार पर हैं। 16 अप्रैल 2026 से 25 अप्रैल तक कलम बंद हड़ताल चल रही थी। आयुक्त ग्राम्य विकास से वार्ता के बाद शासन ने 15 दिन में समस्या निस्तारण का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद कलमबंद निरस्त कर दिया गया। संगठन ने कहा कि 15 दिन में मांगें पूरी नहीं हुईं तो विधानसभा का घेराव किया जाएगा। विधायक भूपेश चौबे से विधानसभा सत्र में मांगें उठाने का अनुरोध किया गया। विधायक ने आश्वासन दिया कि आपकी आवाज सदन में उठाएंगे व मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। आपकी मांग जायज है। इस मौके पर प्रदीप सिंह राणा, प्रशांत सिंह, वेद प्रकाश, निराज अहमद, संतोष यादव, मिथिलेश, संजय कुमार, बाबूलाल, सतीश,सायदा वेगम, प्रमोद, अमरेश, जीतेन्द्र, योगेश आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आनलाइन जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आनलाइन जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी जिसमें जनपद प्रयागराज के उद्यमियों की समस्याओं निराकरण किया गया तथा आर0एम0 यूपीसीडा से सम्बन्धित 05 बिन्दुओं के प्रकरण पर आर0एम0 द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नैनी का स्थलीय भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के समय सड़क, नाली एवं बिल्डिंग का कार्य होते हुए पाया गया एवं फायर स्टेशन हेतु भूमि का आवंटन कर दिया गया है जिसके साथ डी एम्बुलेस गाड़ी भी सम्बन्धित स्थल पर साथ रहेगी। मिनी औद्योगिक आस्थान सोरांव मे हुए अवैध कब्जे के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपायुक्त उद्योग एवं उप जिलाधिकारी सोरांव को निर्देश दिये गये कि आस्थान के पैमाइश का कार्य शीघ्र कराते हुए प्रकरण के सम्बन्ध में अवगत कराया जाय। मे0 एस0आर0के0नरी रसूलाबाद के प्रकरण पर उपायुक्त उद्योग एवं उद्यमी को निर्देश दिये गये कि उप जिलाधिकारी सदर के साथ बैठक करते हुए प्रकरण के निस्तारण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया जाय। अन्य बिन्दु में चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदय द्वारा औद्योगिक संगठनों / उद्यमियों इकाईयों से वार्ता की गयी जिसके क्रम में किसी औद्योगिक संगठन द्वारा किसी भी प्रकार से श्रमिक से सम्बन्धित समस्या नही उठाई गयी। श्री शरद टण्डन उपायुक्त उद्योग द्वारा जिलाधिकारी महोदय का बैठक में स्वागत करते हुए बैठक का संचालन किया गया, बैठक में आर0एम0 यूपीसीडा, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अजीत कुमार, व औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी श्री विनय टण्डन, चैम्बर आफ कामर्स, डा0 जी0एस0 दरबारी श्री अनुराग मिश्रा उद्यमी, श्री अजय सिंह गौड़ उद्यमी एवं अन्य विभागों के अधिकारी तथा उद्यमीगण उपस्थित रहे।

बिसरख डूब क्षेत्र में अतिक्रमण पर ग्रेनो प्राधिकरण ने चलाया बुल्डोजर,25 हजार वर्ग मीटर जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

अवैध कालोनी काटने व डूब क्षेत्र में निर्माण पर कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सोमवार को बिसरख के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कालोनाइजर डूब क्षेत्र में बाउंड्री बनाकर अवैध प्लॉटिंग करने की कोशिश कर रहे थे। करीब 25 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। उन्होंने अपील की है कि अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। सोमवार को प्राधिकरण के वर्क सर्किल तीन के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक प्रशांत समाधिया और टीम ने बिसरख के डूब क्षेत्र के खसरा संख्या 333 और 334 की जमीन पर अतिक्रमण को ढहा दिया। करीब 25 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया।

कालोनी काट रहे कालोनाइजरों को दोबारा अवैध निर्माण करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इससे पहले वर्क सर्किल तीन की तरफ से विगत दिनों तिलपता, रोजा याकूबपुर खेड़ा चौगानपुर, चिपियाना बुजुर्ग में भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

स्कूलों में पढाई के समय में कटौती से नाराज अभिभावकों ने जिलाधिकारी से मिल रोष प्रकट किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्कूलों में नए सत्र की पढाई अप्रैल माह से शुरू ही हुई थी कि प्रशासन के आदेश पर स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया। जो स्कूल दोपहर 2-2:30 बजे तक चलते थे उन्हें 12 बजे तक सीमित कर दिया गया। स्कूलों में पढाई के समय में कटौती से जिले के सभी अभिभावक खुश नहीं। समय कटौती से नाराज अभिभावकों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने गौतमबुद्ध जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम से मिलकर अपनी समस्याएं व्यक्त की। अभिभावकों का कहना है कि पूरे साल में अनेकों त्यौहार, गर्मी की छुट्टी, सर्दी की छुट्टी, शनिवार और रविवार की छुट्टी के बाद स्कूलों में पढाई के दिन बहुत सीमित रह जाते हैं। उसके ऊपर से शासन प्रशासन के आदेश पर अचानक ही स्कूलों में छुट्टियां हो जाती है या पढाई का समय काम कर दिया जाता है। सर्दियों में अचानक से प्रदूषण, कोहरे और शीतलहर के नाम पर स्कूल बंद करा दिया जाता है। बरसात के समय में अत्यधिक बारिश की वजह से स्कूल बंद करा दिया जाता है वहीं गर्मियों में अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के वजह से छुट्टी करा दिया जाता है। ऐसे में स्कूलों में पढाई जरुरत से ज्यादा कम हो रही है। स्कूलों पर कम समय में सिलेबस पूर्ण कराने का प्रेशर बनता है और वही प्रेशर अंततः बच्चो और अभिभावकों पर डाल दिया जाता है। अभिभावकों ने जिलाधिकारी संग बैठक कर बार-बार स्कूलों के बंद होने, स्कूलों के ऑनलाइन मोड में परिवर्तित होने तथा स्कूल समय में कटौती से उत्पन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा और इस पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया। अभिभावकों ने जिलाधिकारी को यह भी बतया कि जिले में काफी निजी स्कूल हैं पूरे साल की पढाई के नाम पर 5-6 लाख ट्यूशन फीस ले रहे। उन सभी स्कूलों का पूरा परिसर सेंट्रलाइज्ड एसी है, स्कूल के सभी ट्रांसपोर्ट बस भी एसी हैं। इन निजी स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर इतना सुदृढ़ है कि बच्चे सुरक्षित रूप से पूरा दिन बिता सकते हैं। बच्चे ट्रांसपोर्ट बस से सीधे स्कूल और स्कूल से सीधे घर जाते हैं। ऐसे में शासन प्रशासन की तरफ से सभी स्कूलों को अचानक से बंद कर देना या समय परिवर्तन कर देना कहीं से भी ठीक नहीं है। इसके अतिरिक्त, नोएडा में अधिकांश परिवारों में दोनों अभिभावक कार्यरत हैं। स्कूलों में तो छुट्टी हो जाती है लेकिन निजी कार्यालयों में छुट्टी का कोई स्कोप नहीं होता जिसके वजह से अचानक से स्कूल बंद होने की स्थिति में उन्हें बहुत अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों की बातें ध्यानपूर्वक सुना और चिंताओं को समझा, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अचानक से स्कूलों को बंद करने जैसे निर्णय मंडलायुक्त (डिविजनल कमिश्नर) कार्यालय से निर्गत होते हैं जिन्हे जिले में अनुपालन कराया जाता है और उनके स्तर से हस्तक्षेप सीमित है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि वे मेरठ में मंडलायुक्त से अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कराने में सहयोग करेंगी, ताकि अभिभावकों की बात उचित मंच पर पहुँच सके और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके।

वरिष्ठ जनों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित किया गया शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के तत्वाधान वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली का निरीक्षण सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली अनिशा द्वारा किया गया। सचिव द्वारा वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी वृद्धजनों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना गया तथा सभी वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता व सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत सचिव द्वारा सभी वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा वृद्धाश्रम में पर्याप्त साफ-सफाई, वृद्ध महिलाओं की विशेष देखभाल किये जाने व वृद्ध महिलाओं की सेवा के लिए नियुक्त सेवादार पूर्ण समर्पण व निष्ठा से कार्य करें इस हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया गया। सचिव द्वारा सभी वृद्धजनों को बताया गया कि वृद्धों को भी पूरी मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के अधीक्षक धनजंय सिंह, लेखाकार हिमांशु सिंह, भण्डारी अनुज श्रीवास्तव व पराविधिक स्वयं सेवक रुचिता यादव उपस्थित रही।

फोर्टिस नोएडा ने प्रीवेंटिव हेल्थकेयर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हेल्थ कार्निवाल आयोजित किया,लगभग 450 बच्चों की उत्साही प्रतिभागिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुरुआत से ही लोगों में स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर देने के उद्देश्य से, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने हेल्थ कार्निवाल और कम्पीटिशन का आयोजन किया। कार्निवाल में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों के माध्यम से रोचक तरीके से प्रीवेंटिव हेल्थकेयर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

यह आयोजन उम्र के शुरुआती दौर से ही बच्चों में सेहतमंद आदतों का निर्माण करने के मकसद को ध्यान में रखकर किया गया, ताकि वे हमेशा के लिए स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के सबक सीख सकें और आने वाले समय में अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें। कार्निवाल का आयोजन 'हेल्थ विद साइंस' के थीम पर आधारित था, और इसे खासतौर से 5-12 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को ध्यान में रखकर किया गया था। इस दौरान, एक्सपट्र्स के मार्गदर्शन में कई रोचक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया ताकि बच्चों को सेहतमंद आदतों की जानकारी मिल सके और वे समय पर बचाव के उपायों का महत्व समझ सकें। इस तरह, सीखने की अनुभवात्मक प्रक्रिया का मेल वैज्ञानिक समझबूझ के साथ कराया गयाख् ताकि बच्चों को आने वाले समय के लिए अपनी हेल्थ और वैल-बींग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सके। इस हेल्थ कार्निवाल में लगभग 450 बच्चों समेत 350 से अधिक परिवारों ने हिस्सा लिया और कलरिंग तथा पोस्टर मेकिंग, फाइन आट्र्स, स्लोगन राइटिंग एवं हेल्थी रेसिपी प्रतियोगिताओं, जो कि बिना आग पर खाना पकाने की शर्त से जुड़ी थी, में हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए कुल रु51,000 मूल्य के पुरस्कारों का प्रावधान किया गया था, तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए चार जाने-माने स्कूल प्रधानाध्यापकों के निर्णायक मंडल का गठन किया गया था। इसके साथ ही, एक फन ज़ोन भी तैयार किया गया था जिसमें मैजिक शो और बच्चों के साथ इंटरेक्टिव सत्रों को रखा गया।

कुल-मिलाकर, फन कार्निवाल के दौरान ऐसा रोचक माहौल बना जिसमें बच्चों और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा हेल्थ और वैलनेस से जुड़े प्रमुख संदेशों का आदान-प्रदान किया गया।

इस पहल के तहत, डॉ अंकित प्रसाद, कंसल्टेंट - पिडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा और डॉ आशीष चिदानंद डोडमानी, कंसल्टेंट - पिडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा द्वारा विशेषज्ञ सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों के दौरान प्रीवेंटिव हेल्थकेयर, वैलनेस और शुरुआत से ही सेहतमंद आदतों को अपनाने के महत्व पर चर्चा की गई। इस दौरान, ऑफ्थैल्मोलॉजी, डेंटल केयर और डायटेटिक्स पर केंद्रित समर्पित कंसल्टेशन ज़ोन्स की भी व्यवस्था की गई थी, और इनके माध्यम से बच्चों तथा उनके अभिभावकों को विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन मिला।

इस पहल के बारे में, डॉ अंकित प्रसाद, कंसल्टेंट - पिडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'प्रीवेंटिव हेल्थकेयर की शुरुआत जिंदगी में जल्द से जल्द होनी चाहिए।

जब बच्चों को व्यवस्थित और आसानी से समझ में आने योग्य तरीके से स्वास्थ्य से जुड़ी बुनियादी आदतों के बारे में बताया जाता है, तो वे जागरूक बनते हैं और उनकी दीर्घकालिक स्वस्थ आदतों का भी निर्माण होता है।

परिवारों के स्तर पर जागरूकता आगे चलकर प्रीवेंटिव हेल्थकेयर को मजबूत बनाने में सहायक होती है, और इससे बच्चों तथा उनके अभिभावकों को दैनिक जिंदगी में अधिक सेहतमंद आदतों को अपनाने में मदद मिलती है।' डॉ आशीष चिदानंद डोडमानी, कंसल्टेंट - पिडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'शीघ्र जानकारी मिलने और लाइफस्टाइल में बदलाव से सेहत संबंधी कई चुनौतियों से समय रहते निपटा जा सकता है।

इस तरह के प्रयासों से परिवारों को अपनी सेहत के बारे में समय पर जरूरी उपाय करने तथा सूचना आधारित फैसले लेने में मदद मिलती है।

' डॉ मोहित सिंह, ज़ोनल डायरेक्टर, पिडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, 'शुरुआत में ही प्रीवेंटिव हेल्थकेयर के बारे में जागरूकता बढ़ाना स्वास्थ्य की दृष्टि से दीर्घकालिक परिणामों में सुधार लाने के लिए जरूरी है।

इस प्रकार के प्रयासों के माध्यम से, हम बच्चों और उनके परिवारों के साथ सार्थक तरीके से जुड़ने, उन्हें शुरू से ही सेहतमंद आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा अपने स्वास्थ्य के लिए सूचना आधारित विकल्पों को चुनने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रयासरत हैं।'

मरीजों की सुविधाओं को लेकर सक्रिय हुई शालिनी सिंह, अस्पतालों में किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। युवा क्रांति सेना की मुख्य

संरक्षक शालिनी सिंह के नेतृत्व में अध्यक्ष अविनाश सिंह, सलाहकार दीपक शंखधर एवं उपाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल तथा सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर समस्याओं को गंभीरता से समझा गया। निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि ईएसआईसी अस्पताल में सीटी स्कैन एवं एमआरआई जैसी महत्वपूर्ण जांचों के लिए मरीजों को महीनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार नोएडा में लगभग 11 लाख श्रमिक ईएसआईसी से जुड़े हैं और हर माह उनका अंशदान कटता है, लेकिन सुविधाएं अत्यंत सीमित हैं। वर्तमान में केवल एक सीटी स्कैन और एक एमआरआई मशीन पर इतनी बड़ी आबादी निर्भर है, जो चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। युवा क्रांति सेना द्वारा ईएसआईसी अस्पताल में मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए दो स्मार्ट बोर्ड भेंट स्वरूप प्रदान किए गए, जिससे उनकी पढ़ाई में तकनीकी सहयोग मिल सके। दोनों अस्पतालों में एसी एवं वाटर कूलर जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन द्वारा आश्वस्त किया गया है कि इन सुविधाओं को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, ईएसआईसी से निजी अस्पतालों में रेफर करने की प्रक्रिया में भी गंभीर समस्याएं सामने आई हैं, जिसको लेकर शीघ्र ही डीजी ईएसआईसी से वार्ता की जाएगी। अस्पताल परिसर में लगे स्प्रिंकलर सिस्टम की पाइपलाइन कई स्थानों पर जर्जर अवस्था में पाई गई, जो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इस विषय में भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, जिला अस्पताल में एमआरआई मशीन की स्थापना हेतु शासन स्तर पर बातचीत की जाएगी, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर चिकित सुविधा उपलब्ध हो सके। शालिनी सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी समाज की बुनियादी आवश्यकता होती हैं। श्रमिकों एवं आम नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध इलाज मिलना उनका अधिकार है।

सीएचसी ऊंचाहार में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित 12 लोगों ने किया रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ऊंचाहार में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, शिक्षकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि डॉ. अंबेडकर राजकीय पीजी कॉलेज, ऊंचाहार के 6 छात्र, एक अध्यापक, सीएचसी के 3 कार्मिक तथा 2 मतगणना अधिकारियों सहित कुल 12 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान को महादान इसलिए कहा जाता है क्योंकि इससे जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों में प्रचलित भ्रांति को दूर करते हुए बताया कि रक्तदान करने से शरीर में रक्त की कमी नहीं होती, बल्कि इससे नए रक्त के निर्माण की प्रक्रिया और सक्रिय होती है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, सड़क दुर्घटनाओं, थैलेसीमिया और किडनी रोगियों के उपचार में समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवन रक्षक साबित होता है। ऐसे में ब्लड बैंक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी/कोषाध्यक्ष रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा राय बरेली डी एस अस्थाना ने बताया कि 29 .4.2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में होने वाले रक्तदान शिविर की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है, शैक्षिक मतदाताओं से अपील है कि रक्तदान कर महादानी बनें इस अवसर पर डॉ. महमूद अख्तर, डॉ. दीपेंद्र सिंह चिकित्सा अधिकारी ब्लड बैंक,डॉ. एस.के. पांडे, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, डॉ. साक्षी वर्मा, यासीन अहमद, सुनील यादव, आंशिक सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।इन्होंने किया रक्तदान-देशराज, अतुल कुमार सक्सेना, मो. रिजवान नज़र, आदित्य वर्मा, कौशलेश मिश्रा, बिलाल अहमद, अभिषेक कुमार, सूरज, मो. सिराज, प्रतीक कुमार साहू, रवींद्र कुमार, शाहबाज आलम।

प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0/प्रभारी मंत्री जनपद राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित कराया जायें कि कोई पात्र व्यक्ति आवास से वंचित न रहें। निराश्रित गोवंश की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि गर्मी के दृष्टिगत पशुओं को लू/हीटवेव से बचाव हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराया जाये। शत प्रतिशत निराश्रित गोवंशों को आश्रित कराया जायें, गोशालाओं में हरे चारे, छाया आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाए, गोवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत लोगों को प्रेरित कर अधिक से अधिक गोवंशों की सुपुर्दगी करायें।

नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, कथा के चौथे दिन भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

परमात्मा ही परम सत्य है - नीलांशु दास जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 सेंट्रल पार्क में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा पंडाल को फूलों एवं गुब्बारों से सजाया गया था। कथा व्यास नीलाशु दास जी महाराज ने

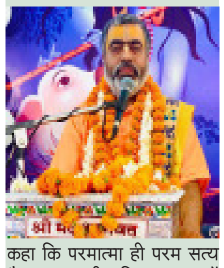

कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। जब हमारी वृत्ति परमात्मा में लगेगी तो संसार गायब हो जाएगा। प्रश्न यह है कि परमात्मा संसार में घुले-मिले हैं तो संसार का नाश होने पर भी परमात्मा का नाश क्यों नहीं होता। इसका उत्तर यही है कि भगवान संसार से जुड़े भी हैं और अलग भी हैं। आकाश में बादल रहता है। और बादल के अंदर भी आकाश तत्व है। बादल के गायब होने पर भी आकाश गायब नहीं होता। इसी तरह संसार गायब होने पर भी परमात्मा गायब नहीं होते। संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है। कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के घरों से माखन चोरी की। इस घटना के पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है। दूध का सार तत्व माखन है। उन्होंने गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया। प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने बताया कि वास्तविकता में श्रीकृष्ण केवल ग्वाल-बालों के सखा भर नहीं थे, बल्कि उन्हें दीक्षित करने वाले जगद्गुरु भी थे। श्रीकृष्ण ने उनकी आत्मा का जागरण किया और फिर आत्मिक स्तर पर स्थित रहकर सुंदर जीवन जीने का अनूठा पाठ पढ़ाया। इस मौके पर आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे,संजीव ढाली, देव मणि शुक्ल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, रवि राघव, संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, विष्णु शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, संतोष बिस्वास, मखन बसु, बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, तुषार, प्रेम जी, टोनी ढाली , सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, अनिमेष मंडल, सहित भारी संख्या में सेक्टर वासी मौजूद रहे।

वाराणसी से पीएम मोदी ने दी दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी से देश को बड़ी रेल सौगात देते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बनारस-पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस तथा अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के संचालन से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के यात्रियों को तेज, आधुनिक और सुविधाजनक रेल सेवा का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वाराणसी जंक्शन से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंग्शन के बीच तीसरी एवं चौथी रेल लाइन परियोजना का शिलान्यास भी किया। इस परियोजना के पूरा होने से पूर्वांचल के महत्वपूर्ण रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही और अधिक सुगम होगी तथा माल और यात्री ट्रेनों के संचालन में तेजी आएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अरबों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें रेल, सड़क, आधारभूत संरचना और जनसुविधाओं से जुड़ी कई योजनाएं शामिल रहीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, रेलवे अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बच्चों को पढ़ाने की लो राह, बंद करो ये बाल विवाह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना दुद्धी एवं विंधमगंज क्षेत्र में दो अलग अलग बाल विवाह की प्राप्त सूचनाओं पर परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह द्वारा बालिका के सर्वोत्तम हित में उसे तत्काल संरक्षण में लेकर थाना हेल्पलाइन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय पर उठाए गए कदमों से नाबालिगों का जीवन एवं भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। विभागीय

त्वरित संज्ञान लिया गया। इसी क्रम में ग्राम धूमा, थाना विंडमगंज में एक नाबालिग बालिका का विवाह कराए जाने की सूचना पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की टीम से टीम में जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा एवं सुपरवाइजर सत्यम चौरसिया तत्काल मौके पर पहुंचकर टीम द्वारा बालिका के परिजनों से आयु संबंधी वैध दस्तावेज मांगे तो महुअरिया में बालिका के परिजनों द्वारा संबंधित प्रपत्र प्रस्तुत किए जिसमे बालिका बालिग पाई गई, वही दूसरी ओर ग्राम धूमा में परिजनों द्वारा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। विंडमगंज में जीडी दर्ज कराई गई। तत्पश्चात बाल कल्याण समिति, सोनभद्र के आदेशानुसार बालिका को बालगृह में सुरक्षित आवासित कराया गया है, जहां उसकी शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एवं मनोसामाजिक परामर्श की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उक्त कार्रवाई बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका का विवाह संज्ञेय एवं दंडनीय अपराध है। स्थानीय नागरिकों ने चाइल्ड अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह की रोकथाम में समुदाय की जागरूकता एवं सक्रिय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की सक्रियता ने पुनः प्रमाणित किया है कि कानून एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से बच्चों को सुरक्षित वातावरण तथा उनके अधिकार दिलाना संभव है।चाइल्ड हेल्प लाईन सोनभद्र सभी नागरिकों से अपील करता है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना पर तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचित करें। सूचनादाता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

भलुआ टोला में डोर-टू-डोर नामांकन अभियान, 51 बच्चे चिह्नित, 20 का हुआ प्रवेश

बीईओ लोकेश मिश्रा के नेतृत्व में चला अभियान, अभिभावकों को बताईं सरकारी सुविधाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को परिषदीय विद्यालयों में 06 से 14 वर्ष के सभी बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन हेतु विकास खंड चोपन के भलुआ टोला

में समुदाय के बीच डोर-टू-डोर नामांकन अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व खंड शिक्षा अधिकारी चोपन लोकेश मिश्रा ने किया।अभियान में विकास खंड चोपन के समस्त एआरपी वंशदीप, प्रशांत, ज्ञान प्रकाश, आनंद पटेल, दयालु के साथ प्राथमिक विद्यालय भलुआ टोला व बिल्ली प्रथम के सभी शिक्षक-शिक्षामित्रों ने नामांकन में सहयोग किया। डोर-टू-डोर संपर्क के दौरान समुदाय से कुल 51 बच्चे नामांकन हेतु चिह्नित किए गए। इनमें से 20 बच्चों का मौके पर ही नामांकन कर लिया गया। शेष बच्चों का नामांकन आगामी कार्य दिवस पर किया जाएगा। बीईओ लोकेश मिश्रा ने समुदाय को बताया कि शासन द्वारा बच्चों को निःशुल्क यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूते-मोजे, स्कूल बैग हेतु डीबीटी से 1200 रुपये, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, गरमागरम मध्याह्न भोजन, प्रत्येक बुधवार को दूध व सोमवार को फल दिया जाता है। उन्होंने अभिभावकों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और इसमें माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने पात्र बच्चों का नजदीकी विद्यालय में नामांकन अवश्य कराएं।

आगामी दिनों में मौसम परिवर्तन की संभावना, आंधी-बारिश, वज्रपात एवं तेज हवाओं को लेकर प्रशासन सतर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2026 को जारी प्रभाव आधारित मौसम पूर्वानुमान

एवं चेतावनी के अनुसार जनपद सोनभद्र सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आगामी दिनों के दौरान मौसम में बदलाव होने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 29 अप्रैल से 01 मई 2026 तक जनपद सोनभद्र में कहीं-कहीं मेघगर्जन, वज्रपात, झोंकेदार तेज हवाएं (40 से 50 किमी प्रति घंटा) तथा हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार इस अवधि में अचानक मौसम परिवर्तन, तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश एवं आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे जनजीवन, यातायात, विद्युत आपूर्ति, कृषि कार्य एवं खुले क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त वर्तमान समय में तापमान में वृद्धि के कारण प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में उष्ण लहर (लू) एवं गर्म रात्रि की स्थिति भी बनी हुई है। ऐसे में दिन के समय अत्यधिक गर्मी एवं शाम/रात्रि के समय अचानक मौसम परिवर्तन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियां-अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/ मुख्यकार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनभद्र के निर्देशानुसार समस्त तहसील स्तरीय अधिकारियों, नगर निकायों, विद्युत विभाग स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग एवं राजस्व विभाग को सतर्क रहने तथा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। आपदा कंट्रोल रूम को सक्रिय रखा गया है। विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित मरम्मत हेतु टीमों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को हीट स्ट्रोक, आकाशीय बिजली एवं दुर्घटना संबंधी उपचार हेतु अलर्ट रहने को कहा गया है। राजस्व एवं राहत टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों पर निगरानी हेतु निर्देशित किया गया है। ग्राम पंचायत एवं नगर निकाय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। जनसामान्य हेतु सावधानियां-आंधी, बारिश एवं वज्रपात के दौरान-गरज-चमक के समय घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर रहें। पेड़, बिजली के खंभे, टिन शेड, कमजोर दीवार एवं खुले मैदान से दूर रहें। मोबाइल चार्जिंग, विद्युत उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें। खेत, नदी, तालाब एवं जलाशयों से तत्काल बाहर निकल जाएं। तेज हवा के समय वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। लू एवं गर्मी से बचाव हेतु दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें। हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनें। बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। खुले स्थान पर कार्यरत श्रमिक नियमित अंतराल पर विश्राम लें। किसानों हेतु सलाह-तेज हवा एवं बारिश की संभावना को देखते हुए कटाई/मड़ाई कार्य सावधानीपूर्वक करें।पशुओं को खुले स्थान से हटाकर सुरक्षित छायादार स्थान पर रखें। खेतों में जल निकासी एवं सिंचाई व्यवस्था का समुचित प्रबंधन करें। आपात स्थिति में करें संपर्क-किसी भी प्रकार की आपदा, दुर्घटना, वज्रपात, पेड़ गिरने, जलभराव अथवा अन्य आपात स्थिति में तत्काल जिला आपदा कंट्रोल रूम सोनभद्र के टोल फ्री नंबर 1077 अथवा संबंधित तहसील प्रशासन से संपर्क करें। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की जाती है कि मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को गंभीरता से लें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार आवेदन कर सकते हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सर्वसाधरण को सूचित किया

जाता है कि 03 दिसम्बर 2023 को 'विश्व दिव्यांग दिवस' के अवसर पर दक्ष दिव्यांग कर्मचारियों/स्वनियोजित दिव्यांगजन सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेन्ट अधिकारी या एजेंसी सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति/सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणाश्रोत सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका, दिव्यांग खिलाड़ियों, दिव्यांगजन हेतु बाधारहित वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिये, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला इत्यादि श्रेणी के राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किये जायेंगें। पुरस्कारो हेतु 12 विभिन्न श्रेणियों की व्यवस्था की गयी है तथा पुरस्कार की धनराशि रू 5000/-स बढाकर रू 25000/ कर दी गयी है। राज्य स्तरीय पुरस्कार के सम्बंध में विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट ल्र्टै्ुदन.ग्ह से प्राप्त की जा सकती है इच्छुक व्यक्ति राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन समस्त प्रपत्रों के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कक्ष संख्या-11, विकास भवन लोढी सोनभद्र में 30 जून 2026 तक जमा कर सकते है।

बाल विवाह के खिलाफ एक्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को सूचना

प्राप्त हुई कि थाना चोपन अंतर्गत तेलगुड़वा मोड़ पर बाल विवाह कराया जा रहा है.सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से सुधा गिरी धर्मवीर सिंह एवं राम निहोर तथा थाना चोपन पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। बालिका के परिजनों से उम्र संबंधी दस्तावेज मांगे गए। जांच में पाया गया कि बालिका बालिग है, जिसका विवाह कराया जा रहा था। टीम द्वारा बालिका के परिजनों को वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न करने को कहा गया। टीम ने उपस्थित ग्रामीणों एवं आमजन से अपील की कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति एवं दंडनीय अपराध है। यदि आपके आसपास कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या नजदीकी थाने को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, सोनभद्र।

जनगणना में शिक्षकों की ड्यूटी व भीषण गर्मी को लेकर शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

55 वर्ष से अधिक आयु व पति-पत्नी दोनों की ड्यूटी निरस्त हो, विद्यालय बंद कर ऑनलाइन कक्षा चलाई जाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश प्राथमिक

शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष योगेश पाण्डेय के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नामित ज्ञापन प्रतिनिधि को सौंपा । ज्ञापन जनगणना 2026-27 में शिक्षकों की ड्यूटी व भीषण गर्मी के चलते विद्यालय संचालन के संबंध में था। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जनगणना के लिए अधिकतम शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक, 55 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षक और पति-पत्नी दोनों शिक्षक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापक को शासन स्तर के सभी कार्य संपादित करने होते हैं। 58, 59, 60, 61 वर्ष के वरिष्ठ शिक्षकों की ड्यूटी लगाना अनैतिक है। अधिक आयु व मोबाइल का पर्याप्त ज्ञान न होने से जनगणना में कठिनाई होगी। भीषण गर्मी में उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वहीं पति-पत्नी दोनों की ड्यूटी लगाया जाना भी न्याय संगत नहीं है, क्योंकि परिवार व बच्चों की देखरेख की जिम्मेदारी होती है। संगठन ने मांग की कि प्रधानाध्यापक, अधिक आयु के शिक्षक व पति-पत्नी में से एक की ड्यूटी निरस्त की जाए। योगेश पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों का संचालन सुबह 7:30 से 12:00 बजे तक हो रहा है। लेकिन भीषण गर्मी व लू के कारण सुबह 9:00 बजे ही तापमान 40 डिग्री पार कर जा रहा है। दोपहर तक 45-46 डिग्री तक पहुंच रहा है। सोनभद्र को शासन ने रेड जोन में रखा है। हीटवेब से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे उपस्थिति घट रही है। संगठन ने मांग की कि नौनिहाल बच्चों को हीटवेब से बचाने के लिए विद्यालय बंद कर ऑनलाइन कक्षा का संचालन किया जाए, जिससे बच्चे सुरक्षित व स्वस्थ रहें।

7 देसी समर ड्रिंक्स-लू और डिहाइड्रेशन से बचाएं, शरीर को रखें ठंडा,घर पर बनाने के आसान तरीके

लखनऊ। गर्मियों में तेज धूप और ज्यादा पसीने के कारण

शरीर से पानी के साथ जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में सिर्फ पानी पीना पर्याप्त नहीं होता है। घर पर बने नेचुरल और पारंपरिक ड्रिंक्स शरीर को अंदर से ठंडक देते हैं। साथ ही डिहाइड्रेशन, थकान व हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम आपको 7 नेचुरल समर हाइड्रेशन ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे, जो शरीर को अंदर से कूल रखते हैं। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- कौन से नेचुरल ड्रिंक्स शरीर को हाइड्रेट करते हैं? जवाब- कई नेचुरल ड्रिंक्स शरीर में पानी, ग्लूकोज, विटामिन और

मिनरल्स का संतुलन बनाए रखते हैं। आम-पना, सत्तू, बेल, छाछ और जलजीरा एनर्जी देने के साथ पाचन में मदद करते हैं। आमपना-सामाग्री -चीनी या गुड़, काला नमक, जीरा पाउडर, पुदीना, ठंडा पानी- आमपना गर्मियों में लू और धूप से बचाता है। यह शरीर को ठंडक देता है और इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद ताजगी देता है और इम्यूनिटी बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है-कुछ कच्चे आम जिनके कूकर में बॉयल करके ठंडा होने पे छिलका और गुठली कनिकल कर गूदा अलग निकल ले फिर उसे पेस्ट बना ले और उसमे पुदीना जीरा कला नमक गुड़/चीनी मिला के फिर अच्छे से मथ ले और फिर फ्रिज़ में ठंडा करके सर्व करें। आमपना के हेल्थ बेनिफिट्स- लू से बचाता

है। शरीर का तापमान कंट्रोल में रखता है। विटामिन सी से भरपूर है। इम्यूनिटी मजबूत करता है।, डिहाइड्रेशन और कमजोरी दूर करता है। सत्तू का शरबत-सत्तू का शरबत गर्मियों में शरीर को ठंडा और एनर्जेटिक रखने वाला देसी ड्रिंक है। भुने चने से बना सत्तू प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा रखता है। यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और शरीर को कूल रखता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- 2-3 चम्मच सत्तू, ठंडा पानी, नींबू,

काला नमक, जीरा पाउडर, थोड़ा सत्तू और ठंडा पानी ले कर मिलाये इसमें गांठ न रहने दें। ठंडा पानी मिलाएं। अच्छी तरह मिक्स करें। स्वादानुसार नमक / चीनी डालें। नींबू का रस निचोड़ें। जीरा, काला नमक मिलाएं। फिर ठंडा करके सर्व करें। सत्तू शरबत के हेल्थ बेनिफिट्स-इंस्टेंट एनर्जी देता है। पेट को ठंडा रखता है। लंबे समय तक हाइड्रेशन देता है। प्रोटीन से भरपूर होता है। पाचन दुरुस्त रखता है। ब्लड शुगर कंट्रोल में रखता है। बेल का शरबत-बेल का शरबत एक पारंपरिक और औषधीय ड्रिंक है। यह पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है और कब्ज, एसिडिटी व पेट की गर्मी को कम करता है। नियमित सेवन से शरीर ठंडा रहता है और लू का खतरा कम होता है। इसे गर्मियों में नेचुरल कूलिंग ड्रिंक के रूप में पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है-पका बेल फल, ठंडा पानी, चीनी/गुड़, इलायची ,बेल का शरबत पीने के फायदे-पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है। कब्ज और एसिडिटी से राहत देता है। शरीर को ठंडक देता है। हीट स्ट्रोक से बचाता है। शरीर को हाइड्रेटेड रखता है। खीरा-पुदीना ड्रिंक-यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट और फ्रेश रखता है। खीरे में ज्यादा पानी होने से ठंडक मिलती है। पुदीना ताजगी देता है और पाचन सुधारता है। यह ड्रिंक डिटॉक्स करता है और स्किन को हाइड्रेट रखता है। इससे पूरा दिन तरोताजा महसूस होता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- 1 खीरा, पुदीना पत्तियां, नींबू, काला नमक, पानी, बनाने की विधि छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। दोनों को पीस लें। ठंडा पानी मिलाएं। मिश्रण को छान लें। नींबू रस, काला नमक डालें। ठंडा करके सर्व करें।खीरा-पुदीना ड्रिंक के फायदे-बॉडी को डिटॉक्स करता है। स्किन को हाइड्रेट रखता है। वेट लॉस में मददगार है। तुरंत फ्रेशनेस देता है। बॉडी को हाइड्रेटेड रखता है। नींबू पानी नींबू-नमक पानी गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट और एनर्जेटिक रखता है। यह इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखता है। यह हल्का ड्रिंक थकान कम करता है और पाचन सुधारता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है-1 नींबू, पानी, नमक, चीनी, जीरा पाउडर, नींबू-पानी पीने के फायदे- तुरंत एनर्जी देता है। इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखता है। थकान और कमजोरी दूर करता है। बॉडी को हाइड्रेट रखता है। पाचन सुधारता है। छाछ-छाछ गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने और पाचन सुधारने वाला पारंपरिक और हेल्दी ड्रिंक है। इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंतों के लिए फायदेमंद हैं और गैस, अपच जैसी समस्याओं से राहत देते हैं। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है-दही, पानी, काला नमक, भुना जीरा, पुदीना। छाछ पीने के फायदे-पाचन को बेहतर बनाता है। शरीर को ठंडा रखता है। प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है। गैस और अपच में राहत देता है। बॉडी हाइड्रेटेड रखता है। जलजीरा- पुदीना, जीरा और काला नमक से बना यह ड्रिंक गैस, अपच और एसिडिटी में राहत देता है। इसका खट्टा-चटपटा स्वाद भूख बढ़ाता है और शरीर को तुरंत तरोताजा करता है। इसे गर्मियों में पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए कुछ सामग्रियों की जरूरत होती है- पुदीना, धनिया, जीरा, काला नमक, नींबू, पानी। जलजीरा पीने के फायदे-पाचन को दुरुस्त करता है। भूख बढ़ाता है। शरीर को ठंडक देता है।गैस और एसिडिटी में राहत देता है। बॉडी हाइड्रेटेड रखता है। सवाल- ड्रिंक्स बनाते समय क्या सावधानियां बरतनी जरूरी है? जवाब- गर्मी में हाइड्रेशन ड्रिंक्स बनाते समय हाइजीन और संतुलन का खास ध्यान रखना जरूरी है। जैसेकि- हमेशा ताजे और साफ पानी का इस्तेमाल करें। फल-सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही यूज करें। ज्यादा चीनी डालने से बचें। ड्रिंक्स को लंबे समय तक स्टोर न करें। फ्रेश ड्रिंक बनाकर ही पिएं। बहुत ज्यादा ठंडा या बर्फ वाला ड्रिंक न लें।डायबिटीज, किडनी डिजीज या ब्लड प्रेशर की समस्या है तो डॉक्टर की सलाह से ही कोई ड्रिंक लें।

हीट स्ट्रोक हो सकता है जानलेवा,ये 6 संकेत दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं

नयी दिल्ली। भारत के ज्यादातर राज्यों में (पूर्वोत्तर छोड़कर) अधिकतम तापमान 40डिग्री से 47डिग्री के बीच है। रविवार को यूपी, राजस्थान और

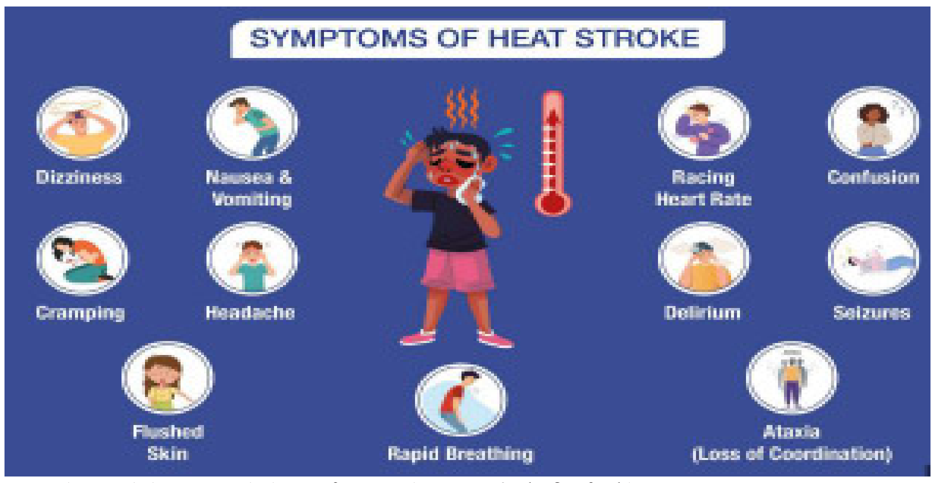

महाराष्ट्र के 7 शहरों में तापमान 46डिग्री के पार चला गया। तापमान 40डिग्री के पार जाने पर 'हीट स्ट्रोक' का रिस्क बढ़ जाता है।

इस कंडीशन में बॉडी कोर टेम्परेचर मेन्टेन नहीं कर पाती। इससे ब्रेन, हार्ट और किडनी जैसे वाइटल ऑर्गन्स डैमेज हो सकते हैं। समय पर ध्यान न दिया जाए तो यह कंडीशन जानलेवा भी हो सकती है। बच्चे, बुजुर्ग और धूप में बाहर काम करने वाले लोगों को हीट स्ट्रोक का ज्यादा रिस्क होता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज हीट स्ट्रोक की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- सवाल- हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक में क्या अंतर है? जवाब- हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक दोनों गर्मी से जुड़ी समस्याएं हैं, लेकिन असर और गंभीरता अलग है। हीट एग्जॉशन-यह कंडीशन ज्यादा पसीने से बॉडी डिहाइड्रेट होने पर बनती है। बॉडी टेम्परेचर सामान्य से थोड़ा ज्यादा (37-40डिग्री) हो जाता है। यह संकेत है कि बॉडी के कूलिंग सिस्टम को काम करने में दिक्कत हो रही है। आराम करने और बॉडी हाइड्रेट करने पर इससे राहत मिल सकती है। हीट स्ट्रोक-यह एक इमरजेंसी मेडिकल कंडीशन है। इसमें बॉडी टेम्परेचर 40डिग्री या उससे ज्यादा हो जाता है। इसमें शरीर का कूलिंग सिस्टम फेल हो जाता है। पसीना आना बंद हो सकता है। बेहोशी, कन्फ्यूजन, तेज पल्स जैसे लक्षण दिख सकते हैं। तुरंत मेडिकल

ट्रीटमेंट जरूरी होता है। सवाल- हीट स्ट्रोक कब और किन परिस्थितियों में ज्यादा खतरनाक हो सकता है? जवाब- इन कंडीशंस में ज्यादा खतरनाक हो सकता है- 1. बहुत ज्यादा तापमान और ह्यूमिडिटी-अगर तापमान 40डिग्री से ऊपर और हवा में नमी ज्यादा हो। पसीना नहीं सूखता, जिससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता। 2. तेज धूप में लंबा समय-दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच धूप में रहने पर। इस दौरान सूरज की किरणें सीधी होने पर ज्यादा प्रभावित करती हैं। 3. वेंटिलेशन न होने पर- बिना एसी/पंखे वाले कमरे या गाड़ी में बैठने पर। देर तक धूप में खड़ी कार के अंदर ये कंडीशन बन सकती है। 4. ओवर फिजिकल एक्टिविटी- इंटेंस एक्सरसाइज करने, ज्यादा खेलने या भारी काम करने पर। गर्मी की आदत न होने पर ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी खतरनाक हो सकती है। 5. कमजोर या सेंसिटिव लोग- बुजुर्ग और छोटे बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। हार्ट या किडनी डिजीज होने पर रिस्क बढ़ जाता है। ओबीज और डायबिटिक लोगों को भी रिस्क होता है। 3. डिहाइड्रेटेड बॉडी-शरीर में पानी कम होने पर पसीना कम आता है। इससे बॉडी कूलिंग सिस्टम फेल होने का रिस्क ज्यादा होता है।सवाल- किन लोगों को हीट स्ट्रोक का रिस्क सबसे ज्यादा होता है और क्यों? जवाब- कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को ज्यादा रिस्क होता है, इसके पीछे की वजह विस्तार से समझें- बुजुर्गः शरीर की टेम्परेचर कंट्रोल करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। छोटे बच्चेः बॉडी जल्दी डिहाइड्रेट होती है और शरीर जल्दी गर्म हो जाता है। गर्भवती महिलाएंः शरीर में हॉर्मोनल और मेटाबॉलिक बदलाव होते हैं। आउटडोर वर्कर/खिलाड़ीः तेज धूप और फिजिकल एक्टिविटी से बॉडी टेम्परेचर तेजी से बढ़ता है। क्रॉनिक बीमारी या दवाइयांः कुछ दवाइयां पसीना और बॉडी की कूलिंग प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। सवाल- क्या हीट स्ट्रोक से जान भी जा सकती है? जवाब- हां, हीट स्ट्रोक एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है। इसमें समय पर इलाज न मिलने पर जान भी जा सकती है। बॉडी टेम्परेचर कंट्रोल न होने पर ब्रेन, हार्ट और किडनी जैसे वाइटल ऑर्गन्स डैमेज होने से मौत हो सकती है। सवाल- अगर किसी व्यक्ति को हीट स्ट्रोक हो जाए तो उसे तुरंत क्या करना चाहिए? जवाब- हीट स्ट्रोक हो तो करें ये काम-अगर व्यक्ति धूप या गर्म जगह पर है तो

उसे ठंडी, छायादार जगह ले जाएं। आराम से लिटाएं, सिर थोड़ा ऊंचा रखें। कपड़े टाइट हों तो ढीले कर दें, ताकि शरीर की गर्मी बाहर निकल सके। शरीर को ठंडा करने के लिए गीले कपड़े से पोछें या ठंडे पानी की पट्टियां रखें। पंखा या कूलर की हवा दें, ताकि बॉडी टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो। अगर व्यक्ति होश में है, तो उसे थोड़ा-थोड़ा पानी या ओआरएस दें। बेहोशी, उल्टी या दौरे की कंडीशन में तुरंत एंबुलेंस बुलाएं। स्थिति गंभीर लगे तो बिना देर किए अस्पताल ले जाएं। सवाल- हीट स्ट्रोक होने पर कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- हीट स्ट्रोक होने पर इन गलतियों से बचें- व्यक्ति को गर्म या भीड़भाड़ वाली जगह पर न छोड़ें। बेहोश व्यक्ति को जबरदस्ती पानी या ओआरएस न पिलाएं। शरीर पर बहुत ठंडा या बर्फ वाला पानी न डालें। हॉस्पिटल ले जाने और इलाज में देरी न करें। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा न दें।सवाल- गर्मियों में हीट स्ट्रोक से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए बरतें ये सावधानियां-दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। ओआरएस या नींबू पानी भी लेते रहें। दोपहर 12-4 बजे के बीच तेज धूप में बाहर जाने से बचें। हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनें। बाहर जाते समय टोपी, छाता और सनग्लास का उपयोग करें। अगर धूप में रहना मजबूरी है तो बीच-बीच में छायादार जगह पर आराम करें। शराब, कैफीन और ऑयली फूड न लें।सवाल- अगर किसी के जॉब का नेचर ऐसा है कि उसे बहुत ज्यादा आउटडोर रहना पड़ता है तो उसे गर्मियों में हीट स्ट्रोक से बचने के लिए किन बातों का ख्याल रखना चाहिए? जवाब- अगर दिन में बाहर रहकर काम करना मजबूरी है तो करें ये काम- काम के बीच में हर आधे घंटे में छायादार या ठंडी जगह पर ब्रेक लें। हर 20-30 मिनट में पानी या ओआरएस लेते रहें। धूप से बचाव करें। टोपी, कैप या गमछा जरूर पहनें। हल्के रंग के, ढीले और सूती कपड़े पहनें।दोपहर की तेज गर्मी में भारी काम न करें या समय बदलें। चक्कर, थकान या सिरदर्द हो तो तुरंत रुककर आराम करें। संतुलित डाइट लें और रोज नींद पूरी करें।

सवाल- कौन-से ड्रिंक्स हीट स्ट्रोक से बचाने में मददगार हैं? जवाब- गर्मियों में शरीर से पसीने के साथ पानी और इलेक्ट्रोलाइट (सोडियम, पोटेशियम) निकल जाते हैं। इसलिए इन्हें पूरा करना जरूरी होता है। इसके लिए ये ड्रिंक्स लें- पानी, ओआरएस, निम्बू पानी,नारियल पानी, तरबूज़, खीरा, सवाल- बच्चों, बुजुर्गों को हीट स्ट्रोक से प्रोटेक्ट करने के लिए क्या करें? जवाब- बच्चों और बुजुर्गों को हीट स्ट्रोक से बचाने के उपाय- दोपहर 12-4 बजे के बीच धूप में बाहर न जाने दें।उन्हें समय-समय पर पानी, नींबू पानी या अन्य समर ड्रिंक्स देते रहें। हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाएं। घर को ठंडा रखें, वेंटिलेशन बनाए रखें। बाहर जाते समय टोपी, छाता या गमछा लेने को कहें। लंबे समय तक धूप या गर्म कमरे में न रहने दें। कमजोरी या ज्यादा प्यास लगे तो तुरंत ठंडी जगह पर आराम कराएं। सवाल- कैसे पता करेंगे कि स्थिति गंभीर है और तुरंत अस्पताल जाना जरूरी है? जवाब- ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत हॉस्पिटल ले जाएं- बॉडी टेम्परेचर बहुत ज्यादा (104फैरेनहाईट या इससे ऊपर) हो जाए। व्यक्ति बेहोश हो जाए या जवाब देना बंद कर दे। बार-बार उल्टी हो या लगातार तेज सिरदर्द बना रहे। कन्फ्यूजन या अजीब व्यवहार दिखे। स्किन बहुत गर्म, रेड और ड्राई लगे। हार्ट बीट तेज हो या सांस लेने में दिक्कत हो। दौरे पड़ें या चलने-बोलने में परेशानी हो। एनवार्नमेंट ठंडा करने के बाद भी हालत में सुधार न हो।

कमाई के आधुनिक तरीके पुराने और छोटे कारोबार में जान नहीं फूंक सकते

हाल ही पुणे यात्रा के दौरान मैंने खुद को ऐसे शहर में पाया, जिसकी शहरी संरचना बिल्कुल बदल चुकी थी। मैं कई किलोमीटर फैल चुके विशाल मेट्रो पिलर्स के

नीचे से गुजरा तो उनकी परछाइयां नीचे रेंग रही कारों पर पड़ रही थीं। दमघोंटू ट्रैफिक के बीच मैंने अपने दोस्त से पूछा, 'यहां पहले जो लोग हुआ करते थे, उनका क्या हुआ? कोल्ड ड्रिंक वाले, नारियल पानी विक्रेता और फ्रूट स्टॉल्स वाले- जो इन खंभों से पहले यहां खड़े रहते थे?' दोस्त ने कहा कि 'किसी शहर के विकास के लिए पुरानी चीजों को हटना ही पड़ता है।' पूरी तरह आर्थिक नजरिए से देखें तो वह सही थे। पुणे नगर निगम ने कमाई का एक फायदेमंद और नया जरिया ढूंढ लिया है। इन पिलर्स पर लगे विज्ञापनों से उसने दो साल में 3.4 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए हैं। अक्टूबर 2024 से मार्च 2026 के बीच यह कमाई लगातार बढ़ी। जैसे-जैसे मेट्रो फैलेगी, इसके और बढ़ने की उम्मीद है। फिर भी, जब नगर निगम साल दर साल फीस बढ़ा रहा है तो कोई यह सोचे बिना नहीं रह सकता कि इस 'प्रगति' की असली कीमत क्या है। यह बदलाव मुझे नागपुर की याद दिलाता है। 50 साल पहले पुणे और नागपुर को साइकिलों के लिए जाना जाता था। आज साइकिलें बहुत कम दिखती हैं। कई साल बाद जब मैं नागपुर के सीताबरडी लौटा तो तत्काल ही मैंने उस पंचर वाले को ढूंढा, जो कभी एक कोने में बैठा करता था। मेरे साथ वाले को पता नहीं था कि वह कहां गया।उन्होंने कहा कि अब यह कारोबार चलाने के लिए साइकिलें ही बहुत कम बची हैं। मैंने पुरानी आटा चक्कियों और उन टिन कारीगरों के बारे में पूछा, जो तेल के डिब्बों को किचन स्टोरेज में बदल देते थे। लेकिन जवाब वही था कि 'अब कौन खुद अनाज पीसता है' या 'स्टोरेज के तरीके तो बहुत पहले बदल चुके।' मन में ठान कर मैंने दो दिन खोज की और अंततः उस पुराने पंचर वाले को ढूंढ निकाला। वह परिवार के साथ छोटी-सी झोपड़ी में रह रहा था। स्कूली दिनों में मेरी साइकिल को बेदह कम खर्च में दुरुस्त रखने के लिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। उन बहुत-सी मुफ्त मरम्मतों के बदले जब मैंने कुछ पैसे उनकी जेब में रखे तो वो रो पड़े। गली में लौटते वक्त मुझे एहसास हुआ कि कभी जो रौनक वहां हुआ करती थी, अब गायब हो चुकी। अगर आप अपने स्कूल के बाहर 'बेर' बेचने वाली उन बुजुर्ग महिला से नहीं मिले हैं, जो चंद सिक्कों में नमक लगे उबले 'बेर' देती थीं, तो एक बार उन्हें ढूंढिए। उनसे मिलिए। वो नहीं, बल्कि आप अच्छा महसूस करेंगे। यही कमी मुझे इस वीकेंड मुंबई में महसूस हुई। मेरी गली के आखिर में स्नैक्स और फूल बेचने वाली 'गजरा वाली' महिला गायब थीं। मुझे बताया गया कि रसोई गैस के बढ़ते दामों के कारण उन्हें काम बंद करना पड़ा। इसी सड़क पर हर सुबह एक दूधवाला बीते पच्चीस साल से बैठता है। हड़ताल, बाढ़ या तूफान में भी वह कभी वहां से एक इंच भी नहीं हटा। कभी-कभार जब वो नहीं आता था तो उसके ग्राहक ही नहीं, बल्कि वहां से गुजरता हर राहगीर भी पूछता कि 'आज दूधवाले को क्या हुआ?' जो चीजें हमारा ध्यान खींचती हैं, वो कभी अस्थायी विज्ञापन या नया इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होता।

यह उन छोटे कारोबारों की गैर-मौजूदगी होती है, जिन्होंने हमें बड़े होते देखा। ये लोग महज दुकानदार नहीं हैं, बल्कि वो जाने-पहचाने चेहरे हैं, जो शहर की आर्थिक-सामाजिक रफ्तार बनाए रखते हैं। आधुनिक कमाई के तरीके निर्माण कार्यों का पैसा दे सकते हैं, लेकिन यदि ये छोटे कारोबार बंद हो जाएं तो वे कभी उस समुदाय में फिर से जान नहीं फूंक सकते। फंडा यह है कि सच्ची प्रगति महज इंफ्रास्ट्रक्चर और विज्ञापन की कमाई से नहीं मापी जाती। हमें सुनिश्चित करना होगा कि आधुनिक विकास उन छोटे और साधारण व्यवसायों को खत्म न कर दे, जो किसी शहर की धड़कन होते हैं। एन. रघुरामन

अगर हॉर्मुज नहीं खुला तो ताइवान होगा अगला मोर्चा?

हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करके ईरान ने ट्रम्प प्रशासन को एक तरह की अभ्यास परीक्षा दे दी

है। इसे उत्तीर्ण करने, या दूसरे शब्दों में कहें कि ताइवान पर चीन के संभावित हमले या नाकेबंदी के खिलाफ प्रतिरोध की क्षमता बरकरार रखने के लिए अमेरिका को निर्णायक तरीके से इस स्ट्रेट को फिर से खुलवाना ही होगा। हॉर्मुज स्ट्रेट और ताइवान स्ट्रेट, इन दोनों संकरे समुद्री मार्गों को बंद करने से अर्थव्यवस्था 20वीं सदी के मध्य की स्थिति तक पिछड़ सकती है। पिछले डेढ़ महीने में ईरान ने हॉर्मुज स्ट्रेट को एक तैरती शूटिंग गैलरी में बदल दिया है। जहाजों की आवाजाही घट गई है, टैंकर डर-डर के चल रहे हैं और ईरानी स्पीडबोट और ड्रोन समुद्री लुटेरों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इस ठहराव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को जकड़ लिया है, क्योंकि दुनिया के तेल और एलपीजी का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यह सिर्फ मध्य-पूर्व का संकट ही नहीं, बल्कि एशिया में संघर्ष की रिहर्सल है। इससे चीन को ताइवान के खिलाफ रणनीति की योजना मिल रही है। ताइवान स्ट्रेट भी हॉर्मुज जैसा ही है, लेकिन सेमीकंडक्टर के लिए। दुनिया की सबसे एडवांस चिप्स का 90% से अधिक हिस्सा ताइवान की कंपनी टीएसएमसी बनाती है। यही चिप्स एआई डेटा सेंटर्स, लड़ाकू विमानों और स्मार्टफोन का 'ब्रेन' कहलाती हैं। विदेशी चिप्स पर निर्भरता के राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए अमेरिका ने 2022 का 'चिप्स एंड साइंस एक्ट' पारित किया था, ताकि निर्माताओं को देश में ही फैक्ट्री लगाने के लिए आकर्षित किया जा सके। लेकिन टेक्सास, ओहायो और न्यूयॉर्क समेत कई जगहों पर नई फैब्रिकेशन इकाइयों की योजना के बावजूद अमेरिका आज भी बहुत हद तक चिप्स के आयात पर ही निर्भर है। ऐसे में, यदि चीन ताइवान पर हमला या नाकेबंदी करता है तो 21वीं सदी का तकनीकी 'नर्वस सिस्टम' ही ठप हो सकता है। वैश्विक नुकसान 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह महज मंदी नहीं, बल्कि सप्लाई चेन का 'कार्डियक अरेस्ट' जैसा होगा। शी जिनपिंग नहीं चाहते कि उन्हें चीन के इतिहास में महज ऐसे व्यक्ति के तौर पर जाना जाए, जिसने इलॉन मस्क से बेहतर कार बैटरियां बनाईं। शी तो वह हासिल करना चाहते हैं, जिसका वादा माओत्से तुंग ने किया था- एक चीन, बिना किसी शर्त और बिना किसी ऐसे

बागी द्वीप के, जो कम्युनिस्ट नेतृत्व को चुनौती दे। अगर शी को यह लगता है कि ताइवान पर हमले के बाद अमेरिका कार्रवाई में हिचकिचाएगा या समझौता करेगा तो उसकी प्रतिरोध की ताकत जाती रहेगी। यदि दुनिया की सबसे शक्तिशाली नौसेना भी एक कमजोर क्षेत्रीय ताकत के सामने टैंकरों को सुरक्षित नहीं निकाल सकती, तो शी क्यों यह मानेंगे कि ताइवान पर चीनी नाकेबंदी तोड़ने के लिए अमेरिका अपने विमानवाहक पोत, पनडुब्बियां और हजारों सैनिकों की जान जोखिम में डालेगा? गेम थ्योरिस्ट इसे 'क्रेडिबल कमिटमेंट' कहते हैं। यानी, आपके विरोधी को यह भरोसा होना चाहिए कि आप अपनी कथनी के अनुसार काम करोगे। ऐसा नहीं होता तो पूरा खेल ही बिगड़ जाता है। यह सच है कि विश्वसनीयता एक बार खो जाए तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता। अब इस समस्या का समाधान पीड़ादायक, लेकिन स्पष्ट है। अमेरिका को हॉर्मुज स्ट्रेट को निर्णायक तरीके से वापस खुलवाना होगा। इस कार्रवाई में स्ट्रेट में एस्कॉर्ट, माइन-स्वीपर्स लगाना, लॉन्च साइट्स पर हमले और ईरानी टोलबूथ द्वीपों पर कब्जा करना शामिल है। एक बार रास्ता सुरक्षित हो जाए तो अमेरिका को वहां अपने बड़े जहाज भेजने चाहिए, जिससे दुनिया यह देख ले कि रास्ता व्यापार के लिए खुला है। दीर्घकालीन नजरिए से अमेरिका को जहाज निर्माण तेज करना होगा, ह?थियार जमा करने होंगे और सऊदी अरब, यूएई में पाइपलाइनों का विस्तार करना होगा। 2020 में ग्रीस, मिस्र, फिलिस्तीनी नेशनल अथॉरिटी और इजरायल ने अन्य देशों के साथ ईस्ट मेडिटेरेनियन गैस फोरम की स्थापना की, ताकि नए गैस भंडारों का उपयोग हो सके। दुर्भाग्य से, बाइडेन प्रशासन ने इजरायल से यूरोप तक प्रस्तावित पाइपलाइन के लिए अमेरिकी समर्थन वापस ले लिया। जबकि, यह वैसा ही प्रोजेक्ट है, जो हॉर्मुज पर निर्भरता को घटा सकता है। अमेरिका के सामने चुनाव स्पष्ट हैः या तो अपनी ताकत से हॉर्मुज खुलवाए, या फिर शी को ताइवान पर हमले की तैयारी करते हुए देखे। अच्छी बात यह है कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे घातक नौसेना और ऐसी आर्थिक ताकत है, जो किसी भी विरोधी को मात दे सकती है। चीन ताइवान पर हमला या नाकेबंदी करता है तो 21वीं सदी का तकनीकी 'नर्वस सिस्टम' ही ठप हो सकता है। वैश्विक नुकसान 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह मंदी नहीं, सप्लाई चेन का 'कार्डियक अरेस्ट' होगा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,टॉड जी. बुशोल्ज)

'आप' का पतन आम मध्यम वर्ग के सपने टूटने जैसा है

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के साथ छह अन्य नेताओं के भाजपा में जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर मची उथल-पुथल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी के पतन की शुरुआत भर ही नहीं है। यह मध्यम वर्ग के उस सपने के टूटने जैसा भी है, जिसमें वह अमीरों और बाहुबलियों से सत्ता छीन कर राजनीति को चंद लोगों के स्वार्थ के बजाय व्यापक सामाजिक हित का साधन बनाना चाहता था। राज्यसभा में राघव 'आप' के चमकते सितारे बन गए थे। यह उस जुड़ाव को बताता है, जो उनकी पूर्व पार्टी का कभी भारतीय मध्यम वर्ग के साथ था। ऐसा वर्ग, जो उस वक्त की राजनीति से ऊब चुका था और कुछ नया व सार्थक करना चाहता था। जिस पार्टी की राघव 13 साल तक आलोचना करते रहे, अब उसी में चले जाना दिखाता है कि आज की राजनीति कितनी खोखली हो चुकी है, जिसमें आदर्श और निष्ठा को निजी स्वार्थ और अति-महत्वाकांक्षा की बलि चढ़ा दिया जाता है। लेकिन अकेले राघव को दोष क्यों दें? आखिरकार, वह तो अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी में उस वक्त हुई गड़बड़ियों का प्रतीक मात्र है, जब 'आप' ने भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों को हरा कर दिल्ली की राजनीति में कदम रखा था। डिलीवरी, पारदर्शिता और हिस्सेदारी चाहने वाले मध्यम वर्ग के दम पर आई 'आप' और केजरीवाल ने लोगों को शासन के केन्द्र में रखने का वादा किया था। केजरीवाल का वित्तीय मॉडल पारंपरिक दलों के जैसे कॉरपोरेट फंडिंग पर आधारित ?नहीं था। उन्होंने लाखों उन समर्थकों के छोटे-छोटे चंदे पर भरोसा किया, जो नई तरह की राजनीति का सपना देख रहे थे। उन्होंने मोहल्ला समूहों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य और जनभागीदारी वाले लोकतंत्र की बात की। भ्रष्टाचार मुक्त सरकार और जवाबदेह नौकरशाही का वादा किया।यह याद दिलाता है कि गिरावट कितनी जल्दी आ जाती है। यह सही है कि उपराज्यपाल से तनातनी के चलते केजरीवाल के सामने बाधाएं आती रहीं, लेकिन

खुद केजरीवाल भी सत्ता और उसके प्रलोभनों से बच नहीं पाए। सादगी से सरकारी फ्लैट में रहने के वादे के बावजूद उन्होंने अपने लिए विशाल बंगला बनवाया। राजधानी में पार्टी को मजबूती देने से पहले ही केजरीवाल की महत्वाकांक्षाएं दिल्ली के परे चली गई थीं। वे हरियाणा, पंजाब से लेकर गुजरात और गोवा तक नजरें दौड़ाने लगे। उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं का दोहरा असर दिखा। उनके पुराने और भरोसेमंद साथी बीच राह ही उनसे अलग हो गए। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, अल्का लांबा, कुमार विश्वास और कपिल मिश्रा जैसे कई नाम दिमाग में आते हैं। फिर, पार्टी को फैलाने के लिए केजरीवाल को संसाधनों की भी जरूरत थी।योगदान आधारित जो वित्तीय मॉडल और कार्यकर्ता दिल्ली फतेह करने में उनके काम आए, वो बड़े राज्यों में तेज विस्तार के लिए पर्याप्त नहीं थे। फिर केजरीवाल और उनके करीबी सलाहकारों के खिलाफ ईडी और सीबीआई की जांच शुरू हो गई।

2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल समेत बहुत-से पार्टी नेताओं को जेल भेज दिया गया। हालांकि एक भी आरोप साबित नहीं हुआ और सीबीआई का मामला निचली अदालत ने खारिज कर दिया। लेकिन, इस शोर-शराबे में 2025 की चुनावी हार लगभग तय हो गई थी। 'आप' के दिल्ली में और केजरीवाल के अपनी ही सीट पर हारने के बाद जो मौजूदा पलायन दिख रहा है, वह भी होना ही था।

केजरीवाल, चड्ढा और 'आप' की कहानी याद दिलातीहै आज की राजनीति में क्या खामियां आ गई हैं। यह उन मध्यमवर्गीय आदर्शवादियों के लिए भी एक चेतावनी है, जो सत्ता को एक व्यक्ति के दबदबे, धनबल और बाहुबल से हटा कर जनता की सेवा पर आधारित करना चाहते हैं- जहां मानव विकास और आधुनिक प्रगति को बराबर का महत्व मिले। केजरीवाल और उनकी पार्टी का सियासी तौर पर अंत मान लेना अभी जल्दबाजी होगी।

लेकिन राज्यसभा में पार्टी का पतन दिल्ली में एक ऐसा सिलसिला शुरू कर सकता है, जिसका असर शायद पंजाब में भी दिखे। अगले साल 'आप' सरकार को वहां अगली चुनावी परीक्षा देनी है।

'आप' का अंदरूनी बिखराव उन चुनौतियों को भी रेखांकित करता है, जिनसे उन छोटे दलों को जूझना पड़ेगा, जो सियासत में बदलाव की उम्मीद रखते हैं। 'आप' की कहानी याद दिलाती है आज की राजनीति में क्या खामियां आ गई हैं। यह उन आदर्शवादियों के लिए भी चेतावनी है, जो सत्ता को एक व्यक्ति के दबदबे, धनबल और बाहुबल के बजाय सेवा पर आधारित करना चाहते हैं (ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

भाजपा के लिए बंगाल चुनाव क्यों बहुत मायने रखता है?

असम, केरल, तमिलनाडु, बंगाल और पुडुचेरी के चुनाव भाजपा के दबदबे वाले क्षेत्रों में नहीं हो रहे हैं। ये सच है कि

पूर्वोत्तर में- असम सहित- भाजपा का अब काफी नियंत्रण है, लेकिन बंगाल जीते बिना कोई भी पार्टी यह नहीं कह सकती कि उसका पूर्वी भारत पर दबदबा हो गया है। जैसे महाराष्ट्र में प्रमुख स्थिति हासिल किए बिना हम यह नहीं कह सकते थे कि पश्चिम भारत में भाजपा का पूरा प्रभाव है, जबकि गुजरात में पिछले दो दशकों से उसकी मजबूत पकड़ रही है। ऐसा क्यों है? क्योंकि जनसंख्या के हिसाब से महाराष्ट्र और बंगाल हमारे दूसरे और तीसरे सबसे बड़े राज्य हैं- बिहार के विभाजन के बाद दोनों अब उससे आगे हो गए हैं। लेकिन ब्रिटिश राज के समय से ही इन राज्यों का एक ऐतिहासिक महत्व भी रहा है। दिल्ली के विपरीत- मुम्बई और कोलकाता- जो महाराष्ट्र व बंगाल की राजधानियां हैं- ब्रिटिश राज से पहले मछुआरों की बस्तियां हुआ करते थे। ब्रिटिश राज के बढ़ने के साथ ये भारत के सबसे महत्वपूर्ण शहरों में बदल गए- राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से। इन्होंने आधुनिकता के आगमन का नेतृत्व किया, जिसमें उम्मीदें थीं और चुनौतियां भी। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बंगाल में 42 में से केवल 2 सीटें मिली थीं और 2016 के विधानसभा चुनाव में 294 में से 3 सीटें मिलीं। लेकिन उसके बाद भारी प्रचार और बाकी पार्टियों से बहुत ज्यादा खर्च करने के बाद उसने मजबूत आधार बना लिया और वह राज्य में टीएमसी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। उसने माकपा- जिसने 34 साल (1977-2011) तक बंगाल पर शासन किया, और कांग्रेस- जिसकी राज्य में अच्छी मौजूदगी थी- दोनों को पीछे छोड़ दिया। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटें और 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतीं और 38-40% वोट हासिल किए।

भाजपा ने बंगाल पर इतना ज्यादा ध्यान क्यों दिया? हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा में सावरकर को सबसे बड़ा वैचारिक नेता माना जाता है, लेकिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को पहला हिंदू राष्ट्रवादी माना जाता है और वंदे मातरम् को पहला हिंदू राष्ट्रवादी गीत माना जाता है।

बंकिम का साहित्यिक काम 1880 के दशक से जुड़ा है, जो सावरकर के हिंदू राष्ट्रवादी लेखन से लगभग चार दशक पहले का है।

इसके अलावा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के पहले अध्यक्ष थे, जो भाजपा की पूर्व पार्टी थी। भाजपा की विचारधारा के अनुसार, हिंदू राष्ट्रवाद की पहली शुरुआत बंगाल में हुई थी। लेकिन एक अहम मौजूदा कारण भी है। यह बंगाल में मुस्लिम वोटरों की संख्या से जुड़ा है। इस राज्य में भारत में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। राज्य की कुल आबादी में से लगभग 30% मुस्लिम हैं, जो 34% वाले असम के बाद दूसरे स्थान पर हैं। (जब जम्मू और कश्मीर एक राज्य था- जहां मुसलमान बहुमत में थे- तब बंगाल तीसरे स्थान पर था)।

मुस्लिम वोटरों की संख्या बंगाल को बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण बना है। अगर भाजपा बंगाल जीतती है, तो यह तभी संभव होगा जब हिंदू समुदाय काफी हद तक मुस्लिम विरोधी मंच पर एकजुट हो जाए। हिंदू एकता का विचार उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए बंगाल भाजपा के वैचारिक प्रोजेक्ट के लिए सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। यही एसआईआर प्रक्रिया के महत्व का भी कारण है।

अगर इसके जरिए मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी कम हो जाती है, तो बंगाल में भाजपा के जीतने की सम्भावना बढ़ जाएगी। बंगाल का महत्व सिर्फ भारतीय राजनीति तक सीमित नहीं है।

दुनिया भर में लोकतंत्र पर नजर रखने वाले विद्वानों और पर्यवेक्षकों के लिए भी यह रुचि का विषय है, जो खास तौर पर एसआईआर जैसे कदमों की निगरानी कर रहे हैं, जो इस समय बंगाल में पूरी तरह लागू है (और दूसरे राज्यों में भी फैल रहा है)। दुनिया भर के राजनीतिक अनुभवों पर आधारित लोकतंत्र के कमजोर होने (डेमोक्रेटिक बैकस्लाइडिंग) के सिद्धांत के अनुसार, आज के समय में लोकतंत्र को कमजोर करने की शुरुआत गैर-चुनावी अंकुशों से होती है, जैसे अभिव्यक्ति की आजादी, गैर-सरकारी सिविल सोसायटी की सक्रियता और अल्पसंख्यकों के अधिकार। इसके बाद आम तौर पर अगला निशाना चुनाव प्रक्रिया होती है। एसआईआर का असर कम आय और कम पढ़े-लिखे कई समुदायों पर पड़ सकता है। आम तौर पर उनके पास जरूरी दस्तावेज नहीं होते।

जब बहुसंख्यक विचार वाली पार्टियां वोटर पंजीकरण से जुड़े ऐसे कदम उठाती हैं, तो इसका असर गरीब, अल्पसंख्यक समुदायों पर बहुत पड़ता है।

अगर बंगाल में एसआईआर से मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी घट जाती है और भाजपा चुनाव जीत जाती है, तो यह सिर्फ व्यावहारिक राजनीति का मामला नहीं होगा। यह दुनिया में लोकतंत्र पर होने वाली बहसों का हिस्सा बनेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं आशुतोष वार्ष्णेय)

1981 में भी होटल में अमेरिकी-राष्ट्रपति पर फायरिंग हुई थी,आरोपी हॉलीवुड फिल्म से प्रभावित था, हीरोइन को इम्प्रेस करने के लिए गोली चलाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में

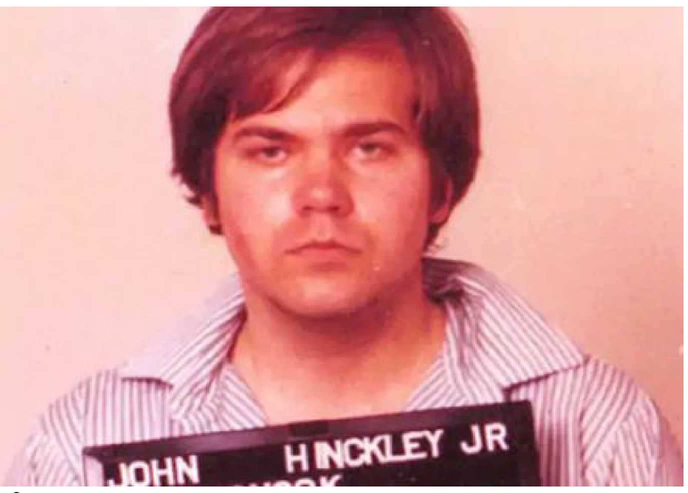

शनिवार रात सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी मौजूद थे। यह घटना वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुई। करीब 60 साल पुराना यह होटल अपने एम (श) आकार के डिजाइन के लिए जाना जाता है। यहां लंबे समय से व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर होता आ रहा है। इसके अलावा फर्स्ट लेडी लंच और नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट जैसे बड़े कार्यक्रम भी यहीं आयोजित होते हैं। इस होटल का इतिहास भी काफी चर्चित रहा है। करीब 45 साल पहले यहीं तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह हमला जॉन डब्ल्यू हिंकली जूनियर ने किया था। उसने एक फिल्म अभिनेत्री को प्रभावित करने के लिए राष्ट्रपति पर 1.7 सेकेंड में छह गोलियां चला दी थीं। रीगन पांच बार बचे, छठी गोली का निशाना बने-घटना 30 मार्च 1981 की है। रीगन वाशिंगटन डीसी में एक मीटिंग में शामिल होने के बाद अपनी कार की तरफ जा रहे थे। उनके चारों तरफ मीडिया और लोगों की भीड़ थी। अचानक उसी भीड़ से निकलकर एक शख्स ने रीगन पर फायरिंग शुरू कर दी। रीगन पर पांच गोलियां दागी गईं, लेकिन वे हर गोली से बच गए। छठी गोली से भी वे बच ही गए थे, लेकिन वह बुलेटप्रूफ कार के शीशे से टकराकर फिर से रीगन के पास लौटी और उनके सीने में जा धंसी। उस अफरातफरी में रीगन को शुरुआत में पता भी नहीं चला कि उन्हें गोली लगी है। उन्हें तब अहसास हुआ जब खांसते समय उनके मुंह से खून निकलने लगा। वह जमीन पर गिर गए। जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई थी कि वे मौत से कुछ ही मिनट दूर थे। हालांकि, डॉक्टरों ने उनके सीने से गोली समय पर निकाल ली, जिससे उनकी जान बच गई। इस घटना में रीगन के 3 सहयोगियों को भी गोली लगी, लेकिन वे भी रीगन की तरह बच गए। गोली चलाने वाले जॉन हिंकली को मौके पर ही पकड़ लिया गया। हिंकली ने 18 बार टैक्सी ड्राइवर फिल्म देखी थी -गोली चलाने वाला हिंकली लंबे समय से मानसिक समस्याओं से जूझ रहा था। उसे पहचान बनाने और मशहूर होने की सनक थी। 1976 में आई फिल्म 'टैक्सी ड्राइवर' ने उस पर खूब असर डाला था। इस फिल्म का एक किरदार प्रेसिडेंशियल कैंडिटेट को मारने की कोशिश करता है। चूंकि उसने एक भ्रष्ट नेता को मारने की कोशिश की थी, लोगों की नजर में एक हीरो बन जाता है। उसने यह फिल्म 18 बार देखी थी। वह फिल्म की अभिनेत्री जूडी फॉस्टर का दीवाना हो गया। वह उसे प्रभावित करना चाहता था। उसने उसे कई चिट्ठियां लिखीं, फोन किए, यहां तक कि उसका पीछा भी किया, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। धीरे-धीरे उसने यह सोच बना ली कि अगर वह किसी बड़े नेता पर हमला करेगा, तो वह दुनियाभर में चर्चित हो जाएगा और जूडी फॉस्टर को इम्प्रेस कर पाएगा। पहले राष्ट्रपति कार्टर को मारने की कोशिश की-हिंकली ने 1980 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान तत्कालीन प्रेसिडेंट जिमी कार्टर का पीछा किया। इस दौरान वह अलग-अलग रैलियों में उन्हें मारने के मकसद से जाता रहा। टेनेसी के एक कार्यक्रम में वह कार्टर के बिल्कुल करीब पहुंच गया था, लेकिन उसके हाथ में एक बैग देख पुलिस को शक हुआ।पुलिस ने तलाशी ली तो उसमें 3 हैंडगन रखी हुई थीं। इसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। उस पर गैरकानूनी हथियार रखने का मामला बना, लेकिन यह सीधे 'राष्ट्रपति पर हमला' करने का केस नहीं बन पाया, क्योंकि उसने गोली चलाने की कोशिश नहीं की थी। उसे कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया, लेकिन बाद में जमानत मिल गई। जेल से निकलने के बाद रीगन पर हमला किया-जेल से निकलने के बाद अमेरिका में सत्ता बदल चुकी थी। रोनाल्ड रीगन राष्ट्रपति बन चुके थे। उसने रीगन पर ही हमला करने का फैसला किया। हालांकि, उसके पकड़े जाने के बाद वकील ने कोर्ट में अपनी दलीलों से यह साबित कर दिया कि हिंकली मानसिक रूप से ठीक नहीं है और राष्ट्रपति पर हमला करने का दोषी सिर्फ हिंकली नही, वह फिल्म भी है। कोर्ट ने मानसिक रूप से अस्थिर मानते हुए जेल भेजने के बजाय मानसिक अस्पताल में रखा। वहां वह करीब 30-35 साल तक इलाज और निगरानी में रहा। उसे 2016 में सख्त शर्तों के साथ अस्पताल से बाहर रहने की इजाजत दी गई।

पतंगबाजी के चक्कर में बच्चा गिरा छत से सीने में घुसी सरिया गर्दन से पार हुई,सरिया समेत मां अस्पताल ले गई

गोरखपुर। गोरखपुर में छत पर लगी सरिया 14 साल के बच्चे के

सीने और गर्दन के आर-पार हो गई। दरअसल, हर्ष सुबह-सुबह छत पर पतंग उड़ा रहा था। इस दौरान उसका पैर फिसला और वो छत पर अधूरे पड़े पिलर से निकली सरिया पर गिर गया। हर्ष दर्द की वजह से चीखने-चिल्लाने लगा। बेटे की चीख सुनकर मां छत पर पहुंची। आवाज देकर परिवार के लोगों को बुलाया। परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सरिया काटने वाले को बुलाया। उसने सरिया काटकर छत से अलग किया। मां बच्चे को सरिया समेत जिला अस्पताल लेकर पहुंची। इस दौरान बच्चा दर्द से कराहता रहा। डॉक्टरों की टीम ने करीब 2 घंटे तक चले आपरेशन के बाद सरिया बाहर निकाली। डॉक्टर्स ने बताया- परिवार वालों समझदारी से काम लिया। सरिया निकालने की कोशिश नहीं की। इस वजह से खून नहीं बहा। घटना सोमवार सुबह 9 बजे तिवारीपुर थाना क्षेत्र के इलाहीबाग लाला टोली क्षेत्र की है। इलाहीबाग के लाला टोली इलाके में अमरेश श्रीवास्तव का एक मंजिल का मकान है। वे वेटर का काम करते हैं। छत पर कुछ निर्माण अधूरा छूटा है। छोटे-छोटे पिलर से सरिया बाहर निकले हुए हैं। परिवार में पत्नी अदिति श्रीवास्तव के अलावा एक लड़की समेत 3 बच्चे हैं। हर्ष उनका सबसे बड़ा लड़का है। मकान में एक कमरा किराए पर दे रखा है। मां अदिति ने बताया- सोमवार सुबह पति बाहर गए थे। करीब 9 बजे हर्ष छत पर खेल रहा था। दो बार उसे डांट कर नीचे लेकर आई। इसके बाद खाना बनाने लगी। छत पर जाने के लिए बनी सीढ़ियों के ऊपर 8 फीट के दीवार के सहारे टीनशेड का छज्जा है। ताकि बारिश का पानी और धूप सीढ़ियों पर न पड़े। उन्होंने बताया कि अचानक हर्ष सीढ़ी पर बने टीनशेड पर चढ़ गया और पतंग उड़ाने लगा। थोड़ी देर बाद उसके चिल्लाने की आवाज आई। मैं किचन से भागकर छत पर गई। देखा तो हर्ष छत पर पिलर की सरिया में फंसा हुआ था। दर्द की वजह से छटपटा रहा था। मुझे कुछ समझ नहीं आया तो आवाज देकर किराएदार को बुलाया। अदिति ने बताया- बेटा बोल रहा था कि आकाश भइया बचाइए। आकाश मेरे किराएदार का नाम है। आवाज सुनकर आकाश ऊपर आ गए। कहा कि सरिया निकालने से मौत हो सकती है। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पति को फोन कर पूरी बात बताई। पास एक घर में काम कर रहे कारीगर को बुलाकर छड़ कटवाई। इस दौरान बेटा दर्द से छटपटा रहा था। चिल्ला-चिल्लाकर रो रहा था। मैं हर्ष को लेकर जिला अस्पताल भागी। उसे भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद छड़ निकाल दी। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. वीके सुमन ने बताया-'बच्चे के राइट साइड सीने में सरिया घुसकर गले के ऊपर से निकल गया था। बच्चे की हालत बहुत गंभीर थी। सर्जरी की पूरी टीम बुलाई गई। तत्काल ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया। करीब दो घंटे ऑपरेशन में बच्चे के शरीर से सरिया निकाली गई। बच्चे की हालत में अब सुधार है।'

प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेने में गलती,सिंधिया बोले- मैं जवान दिखता हूं, लेकिन मेरी आत्मा बूढ़ी

भोपाल। शिवपुरी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भीषण गर्मी से बचने का देशी नुस्खा बताया। मंच से बोलते-बोलते उन्होंने अपनी जेब से प्याज निकाला और सभी को दिखाते हुए कहा- कितनी भी गर्मी हो, जेब में प्याज रखो और निकल जाओ, कुछ नहीं होगा। सिंधिया ने कहा- मेरा जितना पसीना टपकता है, उतना ही ज्यादा मजा आता है। न मेरी गाड़ी में एसी चलता है और न ही मैं एसी में बैठता हूं। जब लोग मुझसे पूछते हैं कि मई-जून में 51 डिग्री की गर्मी में कैसे रहते हो तो मैं कहता हूं- ये चंबल की चमड़ी है।उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- मैं थोड़ा जवान दिखता हूं, लेकिन मेरी आत्मा काफी बूढ़ी है। इसके बाद जेब से प्याज निकालते हुए बोले- पॉकेट में प्याज रखो, तुम्हें कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा- आधुनिक युग में सभी डिब्बे (मोबाइल) लेकर घूम रहे हैं, लेकिन संचार मंत्री प्याज लेकर घूम रहा है। सिंधिया ने पारंपरिक उपायों की वकालत करते हुए कहा- जैसे आयुर्वेद आगे बढ़ रहा है, वैसे ही हमें पुरानी चीजों को नहीं भूलना चाहिए। जून में तापमान 51 डिग्री तक पहुंच जाए, तब भी सिर पर गमछा बांधो और जेब में प्याज रखो। उनकी बातें सुनकर मंच के नीचे मौजूद एक व्यक्ति ने अपनी जेब में रखा प्याज दिखाया। इस पर सिंधिया ने हंसते हुए कहा- देखो, दादा की जेब में भी प्याज रखा है। उन्होंने आगे कहा- सिंधिया परिवार हमेशा जनता और जमीन से जुड़ा रहा है। यही हमारा रिश्ता है। आपका प्यार और आशीर्वाद बना रहे। आपकी सेवा के लिए यह योद्धा आखिरी सांस तक तत्पर रहेगा। अब लोग कह रहे हैं कि सिंधिया ने एक तीर से दो निशाने साध दिए।

पाक का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत,75 घायल,6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। बीबीसी के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि स्पिन बोल्डक इलाके में रात के दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई। इसमें पाकिस्तान के छह सैनिक मारे गए।

दूसरे चरण का प्रचार खत्म, 142 सीटों पर वोटिंग आज,ममता रोड शो में 6 किमी पैदल चलीं, शाह बोले- चुनाव के बाद 7 दिन तक रहेगी फोस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर

वोटिंग होनी है। दूसरे चरण की वोटिंग के लिए प्रचार सोमवार शाम को खत्म हो गया। बुधवार को होने वाला मतदान चुनाव की दिशा और सत्ता का रास्ता तय करेगा। ममता बनर्जी ने प्रचार के आखिरी घंटों में दक्षिण कोलकाता में रोड शो किया। सुकांत सेतु से गोपालनगर क्रॉसिंग तक समर्थकों की भीड़ के बीच 6 किमी लंबे रोड शो में ममता पैदल चलीं। इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेहाला में एक जनसभा में कहा कि बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल कम से कम सात दिन तक तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा, '29 अप्रैल को मतदान करें, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। भले ही भाजपा सत्ता में आए, केंद्रीय बल यहां सात दिन तक बने रहेंगे। 'बंगाल चुनाव के अपडेट्स- उम्मीदवार के घर के बाहर गोलीबारी- उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के आवास के बाहर गोलीबारी में एक सीआईएसएफ जवान घायल हो गया। मामले में एक पार्षद सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। उधर, हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के परिसर से आठ क्रूड बम बरामद किए गए।

तृणमूल पार्षद समेत 1,543 गिरफ्तारः दूसरे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है। 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती- बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी। इस बार 30 करोड़ रु. नकद, 126.85 करोड़ की 48,000 लीटर शराब, 110.12 करोड़ के ड्रग्स और 58.28 करोड़ का सोना-चांदी शामिल है। तृणमूल सांसद पर हमला, कांच से घायलः हुगली के गोघाट में तृणमूल सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर पत्थरों से हमला हुआ। इसमें कांच लगने से वह घायल हो गईं। मिताली बाग ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने इसे सहानुभूति बटोरने के लिए किया गया 'नाटक' करार दिया है। टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर को आईपीएस शर्मा की चेतावनी, जवाब में जहांगीर ने कहा- खेला तुमने शुरू किया, खत्म हम करेंगे- बंगाल चुनाव के बीच यूपी के आईपीएस अफसर अजय पाल के कुछ वीडियो वायरल हो रहा हैं। एक वीडियो में वो टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान को चेतावनी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान पर मतदाताओं को धमकाने के आरोप लगे हैं। चुनाव ड्यूटी पर तैनात आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायत दोबारा मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। जांच के दौरान जहांगीर के घर पर 14 पुलिसकर्मी तैनात मिले। आईपीएस अजय पाल के वीडियो सामने आने के बाद टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर खान ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि खेला तुमने शुरू किया, खत्म हम करेंगे।

बांदा दुनिया में सबसे गर्म जगह,कूलिंग सेंटर बनाए,17 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

लखनऊ/बांदा। यूपी में मौसम ने एक बार फिर करवट

ले ली है। आधे से ज्यादा प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। पारा 47डिग्री के पार पहुंच गया है। बांदा 47.6डिग्री तापमान के साथ दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा। इससे पहले यहां 30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को पारा सबसे ज्यादा 47.4डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। बांदा में प्रशासन ने स्कूलों की एक घंटे पहले छुट्टी करने का फैसला किया है। अब क्लासेस सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तक चलेंगी। जगह-जगह 14 कूलिंग सेंटर बनवाए हैं। लोगों के लिए कूलर, ठंडे पानी और हीट-स्ट्रोक से बचाव के इंतजाम हैं। वहीं, लखनऊ के चिड़ियाघर में शेर की खुराक आधी रह गई है। जो रोज 14-15 किलो मांस खाता था, अब 8-10 किलो ही खा रहा है। इस बीच, बरेली-बाराबंकी समेत कई जिलों में मंगलवार सुबह से ठंडी हवाएं चल रही हैं। कानपुर में सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे गर्मी से कुछ राहत मिली।

इससे पहले, सोमवार देर रात झांसी में करीब 30 मिनट तक झमाझम बारिश हुई। लखनऊ-गाजियाबाद में धूल भरी आंधी चली। आसमान में धूल का गुबार छा गया।

मौसम विभाग का कहना है कि पूर्व दिशा से आ रही ठंडी हवा की वजह से पश्चिमी और पूर्वी यूपी के तापमान में 2-3डिग्री की गिरावट आई है। लेकिन, बुंदेलखंड में 1डिग्री पारा चढ़ गया है। आज 17 जिलों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट है। 35 जिलों में लू की चेतावनी जारी की गई है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-'आज से प्रदेश में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है।

इससे गरज-चमक के साथ बारिश का नया दौर शुरू होगा। तेज हवाएं चलेंगी। अगले 5 दिन मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच गर्मी और लू से कुछ हद तक राहत मिलेगी। तापमान 4डिग्री तक गिरेगा।

हालांकि, कुछ इलाकों में दोपहर के वक्त लू चलने के साथ रात भी गर्म होने के आसार हैं।'

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम? 29 अप्रैलः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश होगी। तेज हवा चलेगी। रात के वक्त तापमान में गिरावट आएगी। 30 अप्रैलः पूरे

प्रदेश में बारिश होगी। बिजली गिरने की आशंका है। दिन में 40 किमी की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। 1 मईः पश्चिमी यूपी में हल्की और पूर्वी यूपी में तेज बारिश होगी।

बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बिजली भी गिर सकती है। 2 मईः प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। तेज हवा चलेगी।

तापमान में हल्की गिरावट आएगी। 3 मईः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होगी। आंधी-तूफान की संभावना नहीं है।

रिंकू के 4 छक्कों पर झूम उठी मंगेतर प्रिया सरोज,बोलीं- वंस मोर, लखनऊ में अखिलेश की बेटियों के साथ देखा मैच

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में क्रिकेटर रिंकू सिंह के लगातार 4 छक्कों पर उनकी मंगेतर सपा सांसद प्रिया सरोज में झूम उठीं। वह कुर्सी से उठकर खड़ी हो गईं। कोलकाता नाइट राइडर्स का झंडा लहराते हुए रिंकू को चीयर किया। कहा- वंस मोर। प्रिया सरोज ने कहा कि आज रिंकू सिंह ने मेरे फादर इन ला (ससुर) के लिए शानदार पारी खेली है। आज हम उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। दरअसल, रिंकू के पिता खानचंद का 27 फरवरी को निधन हो गया था। वे फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वो 60 साल के थे। प्रिया सरोज के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोनों बेटियां अदिति और टीना भी मैच देखने पहुंची थीं। उन्होंने भी रिंकू को चीयर किया। रविवार को केकेआर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के हीरो रिंकू सिंह रहे। रिंकू ने 51 गेंद पर नाबाद 83 रन बनाए। फील्डिंग में 5 कैच लपके। मैच के आखिरी ओवर में ध्रुव राठी की गेंद पर लगातार 4 छक्के जड़े। सुपर ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। रिंकू ने अपनी मां से सुनील नारायण की बात कराई मैच जीतने के बाद रिंकू ने अपनी मां और बहन से वेस्टइंडीज के स्पिनर सुनील नारायण की वीडियो कॉल पर बात कराई। इस दौरान रिंकू की बहन

ने कहा कि आज बहुत अच्छी बॉलिंग की भइया। इस पर रिंकू ने कहा- भइया नहीं, ब्रदर। क्रिकेटर की शादी में पहली बार मिले थे रिंकू-प्रिया-रिंकू और प्रिया की लव स्टोरी दिलचस्प है। बात करीब 3 साल पहले की है। आईपीएल 2023 में रिंकू ने लगातार पांच छक्के लगाकर केकेआर को आखिरी ओवर में जीत दिलाई थी। इसके बाद रिंकू की टीम के सीनियर क्रिकेटर्स से नजदीकियां बढ़ीं। इसी दौरान, एक सीनियर क्रिकेटर की दिल्ली में शादी हुई थी। उसी समारोह में क्रिकेटर ने रिंकू और अपनी पत्नी की दोस्त प्रिया को बुलाया। रिंकू और प्रिया पहली बार इसी पार्टी में मिले। क्रिकेटर की पत्नी ने दोनों का परिचय कराया और यहीं से बातचीत शुरू हुई। रिंकू के परिवार से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया था कि केकेआर के क्रिकेटर की पत्नी और प्रिया दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं। प्रिया सरोज ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए एलएलबी किया है। पढ़ाई के दौरान ही दोनों की दोस्ती हुई थी। प्रिया सरोज वाराणसी जनपद के पिंडरा तहसील के करखियांव की रहने वाली हैं। उनका जन्म 23 नवंबर 1998 को हुआ था। 18 साल की उम्र पार करते ही उन्होंने सपा की न केवल सक्रिय सदस्यता ले ली थी, बल्कि पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती रहीं। महज 25 साल की उम्र में वह भाजपा के बीपी सरोज को हराकर लोकसभा पहुंचीं। प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज भी मछलीशहर लोकसभा सीट से 3 बार सांसद रहे हैं। वो साल 1999, 2004 और 2009 में लोकसभा चुनाव जीते थे। रिंकू और प्रिया इसी साल जून में 7 फेरे लेने वाले हैं। सूत्रों का कहना है कि पिता के निधन के बाद रिंकू की शादी की तारीख पर परिवार फिर से विचार कर सकता है। इससे पहले दो बार रिंकू-प्रिया की शादी की तारीख आगे बढ़ी थी। 18 नवंबर, 2025 को पहली तारीख तय हुई, लेकिन क्रिकेट सीरीज के कारण टल गई। ?फरवरी, 2026 को दूसरी तारीख निकली, लेकिन वर्ल्ड कप के चलते कैंसिल करनी पड़ी। रिंकू के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया था जब रिंकू आईपीएल से फ्री होंगे, तभी शहनाई बजेगी। शादी काशी में होगी। रिसेप्शन अलीगढ़ में रखा जाएगा। रिंकू के पापा सिलेंडर डिलीवरी का काम करते थे-केकेआर को दिए एक इंटरव्यू में रिंकू ने अपनी जिंदगी के बारे में बताया था। उन्होंने बताया था- परिवार में 5 भाई हैं। पापा सिलेंडर डिलीवरी का काम करते थे। हम पांचों भाइयों से भी काम करवाते, जब कोई नहीं मिलता तो डंडे से पीटते थे। हम सारे भाई बाइक पर 2-2 सिलेंडर रखकर होटलों और घरों में डिलीवर करने जाते थे। सभी ने पापा को सपोर्ट किया था। जहां भी मैच होते तो सारे भाई एक साथ ही खेलने जाते थे। मोहल्ले में 6-7 और लड़के थे, जिनके साथ पैसे मिलाकर गेंद लाते थे। टेनिस और लेदर बॉल से क्रिकेट खेलना शुरू किया था। यूपी के अलीगढ़ में मॉडर्न स्कूल से भी क्रिकेट खेला। इंटर स्कूल टूर्नामेंट में 32 बॉल पर 54 रन की नॉटआउट पारी खेली। शुरुआत में क्लब क्रिकेट खेलने का पैसा नहीं था तो सरकारी स्टेडियम में कार्ड बनवाकर प्रैक्टिस करता था। मैच खेलने के लिए पैसे लगते, घरवालों से मांगो तो कहते थे कि पढ़ाई करो। पापा खेलने के लिए हमेशा मना करते थे, मम्मी थोड़ा सपोर्ट करती थीं।

एक्टर भरत कपूर का 80 साल की उम्र में निधन, 'नूरी', 'गुलामी' और 'खुदा गवाह' जैसी फिल्मों में किया था काम

मुंबई। एक्टर भरत कपूर का सोमवार को निधन हो गया। 80

साल की उम्र में उन्होंने मुंबई में अपने घर पर अंतिम सांस ली। उन्होंने लगभग चार दशकों के करियर में अमिताभ बच्चन स्टारर आखिरी रास्ता और खुदा गवाह समेत 200 से अधिक फिल्मों में काम किया था। उन्होंने नूरी, आखिरी रास्ता, बाजार, इनकार, राम बलराम जैसी फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाए थे। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार भरत कपूर का निधन मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के कारण हुआ। एक्टर अवतार गिल ने न्यूज एजेंसी एएनआई से भरत कपूर के निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि भरत कपूर पिछले दो-तीन दिनों से बीमार थे। वह घर पर ही थे और सोमवार दोपहर करीब 3 बजे उनका निधन हुआ। अवतार गिल ने कहा कि उन्हें शाम करीब 4 से 4:30 बजे भरत कपूर के बेटे का फोन आया था। उन्होंने यह भी बताया कि भरत कपूर ने काफी समय पहले काम करना बंद कर दिया था। कल शाम को परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। भरत कपूर ने 1972 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया, जिनमें नूरी (1979), राम बलराम (1980), लव स्टोरी (1981), बाजार (1982), गुलामी (1985), आखिरी रास्ता (1986), सत्यमेव जयते (1987), स्वर्ग (1990), खुदा गवाह (1992) और रंग (1993) शामिल हैं।

भरत कपूर ने बरसात (1995), साजन चले ससुराल (1996) और मीनाक्षीः अ टेल ऑफ थ्री सिटीज (2004) जैसी फिल्मों में भी काम किया। वहीं, फिल्मों के अलावा उन्होंने टेलीविजन में भी काम किया। वह कैम्पस, परंपरा, राहत, सांस, अमानत, तारा, चुनौती और कहानी चंद्रकांता की जैसे शो में नजर आए।

डॉन-3ः रणवीर सिंह के 'धोखे' से टूट गए हैं फरहान अख्तर! कहा- बहुत सी सीख मिली, फिल्म जरूर बनेगी

मुंबई। अगस्त 2023 की बात है। फरहान अख्तर ने बतौर फिल?ममेकर बड़े जोर-शोर से 'डॉन 3' का ऐलान किया था। फर्स्ट लुक टीजर रिलीज हुआ, जिसमें

रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए। लेकिन आज 2 साल 8 महीने बाद भी यह फिल्म अधर में लटकी हुई है। पहले कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के कारण फिल्म छोड़ी। फिर विक्रांत मैसी, जिन्हें विलेन के रोल में कास्ट किया गया, उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब 'धुरंधर' की बंपर सफलता के बाद रणवीर सिंह ने भी 'डॉन 3' छोड़ दी, वो भी तब जब वो कथि?त तौर पर इसके लिए करोड़ों की साइनिंग अमाउंट ले चुके थे। मामला कानूनी विवाद तक पहुंच गया। अब फरहान अख्तर ने इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है। हालिया इंटरव्यू में फरहान ने जो भी कहा, उससे यही लग रहा है कि वह इन सब से 'बुरी तरह टूट' गए हैं। वह कहते हैं कि इन झटकों से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। यह भी कि 'किसी भी चीज को हल?के में नहीं जा सकता।' बीते कुछ महीनों से रणवीर सिंह और फरहान अख्तर का विवाद खूब सुर्खियों में हैं। इस बीच यह भी खबर आई थी कि रणवीर सिंह आखिरकार 10 करोड़ रुपये की साइनिंग अमाउंट लौटाने को तैयार हो गए हैं। बीच में एक चर्चा यह भी चली कि आमिर खान ने इस पूरे विवाद के बीच रणवीर और फरहान के बीच मध्यस्था करने की कोशिश की। अब 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से बातचीत में फरहान अख्तर कहते हैं कि अभी भी उनके लिए यह प्रोजेक्ट क्रिएटिव तौर पर बहुत मायने रखता है। देरी के बावजूद वह 'डॉन 3' को बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं, क्योंकि इसकी कहानी जबरदस्त है। फरहान अख्तर, एक्टर/फिल्ममेकर-'फिल्मों में मेरा अब तक सफर बहुत शानदार रहा है और मैं यह समझता हूं कि मुश्किल दौर आना तय है।' फरहान बोले- अप्रत्याशित चीजों के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। फरहान अख्तर ने कहा, 'मैंने जो सीखा है, वह ये है कि अप्रत्याशित चीजों के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। जब तक कोई चीज असल में फिल्म के फ्लोर पर आ न जाए, तब तक उसे पक्का नहीं माना जा सकता। फिल्मों में मेरा अब तक सफर बहुत शानदार रहा है और मैं यह समझता हूं कि मुश्किल दौर आना तय है।' 2006 में 'डॉन' का रीमेक, 2011 में 'डॉन 2'-जावेद अख्तर और हनी ईरानी के बेटे फरहान अख्तर आज के दौर में एक बेहतरीन एक्टर, सिंगर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हैं। उन्?होंने 2001 में 'दिल चाहता है' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया। साल 2006 में उन्होंने सलीम-जावेद की 'डॉन' (1978) का रीमेक किया। इसके बाद 2011 में 'डॉन 2' लेकर आए हैं। इन दोनों ही फिल्मों में शाहरुख खान लीड रोल में थे और दोनों ही सुपरहिट साबित हुईं। ऐसे में 'डॉन 3' से भी हर किसी की उम्?मीदें जुड़ी हैं। फरहान कहते हैं, 'सच कहूं तो मुझे यह भी लगता है कि जब से मैंने शुरुआत की, उस पल से ही, जब आमिर, अक्षय, प्रीति, डिंपल, सैफ, रितेश, मेरे पार्टनर के तौर पर आए और कहा कि हाँ, चलो यह फिल्म बनाते हैं। उस पल से लेकर असल में 2022 तक मेरा सफर बेहद शानदार रहा है। यह सफर उन लोगों के साथ काम करने का रहा है, जिनके साथ मैं काम करना चाहता था। चाहे उन्हें डायरेक्ट करना हो या उन फिल्मों में एक्टिंग करनी हो जिनमें मैं उन डायरेक्टर्स के साथ काम करना चाहता था। इसलिए यह अनुभव बहुत ही अद्भुत रहा है। आपको यह एहसास होता है कि किसी न किसी मोड़ पर, एक ऐसा दौर जरूर आएगा जो थोड़ा ज्यादा चुनौतीपूर्ण होगा।' फरहान अख?तर, एक्टर/फिल्ममेकर-'ऐसा पल जरूर आता है जो रचनात्मक और अस्तित्व के रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। जब आप सोचते हैं कि हे भगवान, क्या मुझमें अभी भी वह बात है? ये सभी चुनौतियां आती रहती हैं। लेकिन मैं उन चीजों के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं जो मुझे यहां तक लाईं।' 'लक्ष्य' और 'रॉक ऑन' जैसी फिल्म बना चुके फरहान आगे कहते हैं, 'आपका समय अब तक अच्छा बीता है। इसलिए कोई बात नहीं, आप बस इसे सहजता से स्वीकार कर लेते हैं। आपने उन लोगों के अनुभवों से बहुत कुछ सीखा है या कम से कम बहुत कुछ अपनाया है, जो आपसे पहले आए थे। आपको यह एहसास होता है कि यह आपके काम का एक अहम हिस्सा है। ऐसा पल जरूर आता है जो रचनात्मक और अस्तित्व के रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। जब आप सोचते हैं कि हे भगवान, क्या मुझमें अभी भी वह बात है? ये सभी चुनौतियां आती रहती हैं। लेकिन मैं उन चीजों के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं जो मुझे यहां तक लाईं। मैंने लोगों के साथ काफी अच्छे रिश्ते बनाए हैं और ऐसे बहुत से लोगों के साथ काम किया है जो जानते हैं कि मैं किस तरह का इंसान हूं, जब भी मैं काम पर जाता हूं तो मैं अपने साथ क्या लेकर आता हूं, और यही चीज मुझे आगे ले जाएगी।' 'डॉन 3 की कहानी अद्भुत है, यह प्रोजेक्ट बंद नहीं हुआ है' -फरहान अख्तर दो टूक शब्दों में कहते हैं कि इस बार वह स्थिति को बहुत तेजी से समझ पाए। पहले मिली असफलताओं जैसे कि 'लक्ष्य' को मिली प्रतिक्रिया ने उन्हें बहुत गहराई से प्रभावित किया था। हालांकि, वह कहते हैं कि अनिश्चितता के बावजूद 'डॉन 3' उनके दिल के बहुत करीब है। वह कहते हैं, 'यह उन अद्भुत कहानियों में से एक है, जिन्हें मैं सुनाना चाहता हूं। यह प्रोजेक्ट अभी बंद नहीं हुआ है और हम इस पर सोच-विचार कर रहे हैं।' 'डॉन 3' को लेकर हालिया विवाद रणवीर सिंह को लेकर है। इस फिल्म से एक्टर के बाहर होने के बाद फरहान अख्तर की 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' ने 'प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' से संपर्क किया था। आरोप लगाया कि 'धुरंधर' फेम एक्टर ने आखिरी समय पर प्रोजेक्ट छोड़ा, जिससे उन्हें करीब रु40 करोड़ का नुकसान हुआ है। रणवीर सिंह ने भी लगाए आरोप-इसके जवाब में, रणवीर सिंह ने भी कथित तौर पर प्रोडक्शन हाउस पर 'गैर-पेशेवर रवैये' का आरोप लगाया। दावा किया कि फरहान अख्तर 'डॉन 3' के बजाय अपनी दूसरे प्रोजेक्ट्स को ज्यादा प्रायरिटी दे रहे थे। यह भी दावा किया गया कि जब फरहान की प्रोडक्शन कंपनी ने लंबी देरी के बाद 'डॉन 3' के लिए रणवीर सिंह से तब संपर्क किया गया, जब 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर सफल हो गई।

शकीरा के शो से पहले क्रू मेंबर की मौतःब्राजील में स्टेज तैयार करते समय हुआ हादसा, सिंगर ने दुख जताया

मुंबई। ब्राजील में सिंगर शकीरा के अपकमिंग कॉन्सर्ट की तैयारियों के दौरान एक हादसा हो गया।

रविवार को शो के लिए स्टेज तैयार करते समय गैब्रियल डी जीसस फिरमिनो नाम का एक क्रू मेम्बर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। कॉन्सर्ट के ऑर्गनाइजर्स ने इसकी पुष्टि की है। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में शकीरा का यह कॉन्सर्ट 2 मई 2026 को होने वाला है। पीपल मैगजीन के अनुसार, यह हादसा रविवार दोपहर को हुआ, जब कर्मचारी शो के लिए स्ट्रक्चर तैयार करने वाली टीम का हिस्सा था। ऑर्गनाइजर्स ने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि मृतक स्टेज बनाने का काम करता था और हादसे के बाद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। शकीरा ने दुख जताया-एंटरटेनमेंट वीकली के अनुसार, एक बयान में शकीरा ने कहा, 'मैं गैब्रियल डी जीसस फिरमिनो के परिवार, दोस्तों और साथ काम करने वालों के लिए बहुत दुखी हूं।' ऑर्गनाइजर्स ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर मौजूद फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स ने शुरुआती मदद दी। इसके बाद फायर डिपार्टमेंट को बुलाया गया और घायल कर्मचारी को अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्टेट फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसा लिफ्टिंग सिस्टम का इस्तेमाल करते समय हुआ। इस दौरान कर्मचारी के पैर बुरी तरह कुचल गए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। आयोजकों ने कहा कि पीड़ित के परिवार, संबंधित कंपनी और इस घटना से प्रभावित टीम के सदस्यों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

'एक हाथ से गौ सेवा, दूसरे में बछड़े के चमड़े का बैग!', इंटरनेट पर रिहाना की तस्वीर से हुए लोग निराश

मुंबई। ग्लोबल पॉप आइकन रिहाना हाल ही मुंबई आई थीं। बीते साल 2025 के सितंबर में अपने तीसरे बच्चे की मां बनीं रिहाना का यह इंडिया टूर उनके

ब्यूटी और कॉस्मेटिक ब्रांड 'फेंटी ब्यूटी' के इवेंट को लेकर था। एयरपोर्ट पर उनके आने से लेकर इवेंट में शिरकत करने, पपाराजी संग मस्ती और आरती करने से लेकर भजन पर थिरकने को लेकर चर्चा में रहा। लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसके बाद बारबाडोस की 38 साल की सिंगर की खूब आलोचना हो रही है। सुर्कलेट हो रही तस्वीर में रिहाना को गौ सेवा करते हुए देखा जा रहा है। वह गौ माता को खाना खिला रही हैं। पहली नजर में तो यह एक नेक कदम दिखता है, लेकिन लोगों की दावा है कि सिंगर के दूसरे हाथ में बछड़े के चमड़े से बना लग्जरी बैग है। यहीं से पूरा माहौल बदल गया। इंस्टाग्राम से लेकर एक्स और रेडिट पर रिहाना की यह तस्वीर खूब वायरल हो रही है। पहली नजर में तो यूजर्स ने जहां 'डायमंड्स' सिंगर के दिल छू लेने वाले काम की तारीफ की, लेकिन अगले ही पल इस तस्वीर को 'आयरनी' यानी विडंबना करार दिया जाने लगा। देखते ही देखते इस पर ऑनलाइन तीखी बहस छि?ड़ गई और रिहाना की भरदम आलोचना शुरू हो गई। रिहाना की जो तस्वीर वायरल हो रही है, वह एक गाय को खाना खिलाते हुए देखा जा सकता है। गौ सेवा करना हमारे समाज में एक बेहद नेक काम माना जाता है। लेकिन जिस बात पर सबसे अधकि चर्चा हो रही है, वह है सिंगर के हाथ में मौजूद हरे रंग का लग्जरी हैंडबैग। रिहाना ने इस दौरान अपने बाएं हाथ में जो बैग पकड़ा है, वो लग्जरी कंपनी डिओर का है। यूजर्स की पैनी नजर ने बैग पर जानवरों की खाल से बनी सजावट को पहचान लिया। बैग किस चीज से बना है इसकी पुष्टि नहीं-हालांकि, इस बात की कोई पक्की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का आरोप है कि सिंगर रिहाना के हाथ में जो लग्जरी हैंडबैग है, वो कथित तौर पर बछड़े और भेड़ की खाल की एक परत का इस्तेमाल करके बनाया गया है। हैंडबैग कंपनी की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, इस बैग की कीमत 4.3 लाख रुपये है। अब सोशल मीडिया पर इसको लेकर खूब बहस छिड़ी हुई है। लोग रिहाना के दोहरे रवैये की आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, कई लोगों ने यह भी कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि बैग में सचमुच जानवरों की खाल का ही इस्तेमाल किया गया है। एक यूजर ने लिखा है, 'यह आज की सबसे विडंबना भरी तस्वीर है। रिहाना भारत में एक गाय को खाना खिला रही हैं, जबकि उनके हाथ में बछड़े की खाल से बना एक डिओर बैग है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है, 'रिहाना बड़े ही आराम से एक गाय को खिला रही हैं... और साथ में उन्होंने गाय की खाल से बना बैग भी पकड़ा हुआ है। यह कैसी विडंबना है।'

इंडियन आइडल विनर वैभव गुप्ता को बड़ा ब्रेक मिला, 'धुरंधर 2' के गाने से पहचान मिली, छह साल बाद किस्मत चमकी

मुंबई। कानपुर के रहने वाले सिंगर वैभव गुप्ता ने अपनी मेहनत और जुनून से बड़ा मुकाम हासिल

किया है। इंडियन आइडल सीजन 14 के विनर रहे वैभव अब फिल्म धुरंधर 2 में अपने गाने 'मन अटकेया बेपरवाह दे नाल' से सुर्खियों में हैं। छह साल तक लगातार रिजेक्शन झेलने के बाद मिली इस सफलता की कहानी प्रेरणादायक है। वैभव गुप्ता ने बताया कि यह मौका उन्हें मैनिफेस्टेशन और कड़ी मेहनत के दम पर मिला। छोटे शहर से निकली उनकी आवाज आज बड़े पर्दे तक पहुंच चुकी है, और उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। सवालः सिंगिंग का सपना कब और कैसे शुरू हुआ? जवाबः सबसे पहले ये सपना मेरे पापा ने देखा। हमारे परिवार में कोई म्यूजिक से नहीं था, हम बिजनेस फैमिली से हैं। लोग कहते थे कि मैं भी दुकान ही संभालूंगा, लेकिन पापा ने मुझे उस सोच से बाहर निकाला। जब मैं 3 साल का था, बाथरूम में गाना गा रहा था–'तेरे मस्त-मस्त दो नैनष्ठ'। पापा ने सुना और मुझे गाने के लिए कहा। वहीं से शुरुआत हुई। सवालः म्यूजिक की ट्रेनिंग कैसे शुरू हुई? जवाबः स्कूल में मेरे म्यूजिक टीचर आनंद गुप्ता जी ने मुझे पहली बार सुना और पापा को कॉल करके कहा कि 'इस बच्चे में कुछ खास है।' उन्होंने मुझे फ्री पीरियड और जीरो पीरियड में सिखाया। आज भी मैं उन्हें हर उपलब्धि की खबर सबसे पहले देता हूं।सवालः बचपन में कोई खास मोमेंट जो टर्निंग पॉइंट बना? जवाबः स्कूल के एक कंपटीशन में मैंने 'तुझे सब है पता है ना मां' गाया और जीत गया। वहीं से पापा को लगा कि अब इस सफर को रोकना नहीं है। सवालः इंडियन आइडल तक का सफर कितना मुश्किल रहा? जवाबः बहुत मुश्किल। मैं 11-12 साल की उम्र से ऑडिशन दे रहा था। लगातार 6 साल तक रिजेक्ट हुआ। पापा मुझे कानपुर से मुंबई या दिल्ली लेकर आते थे, 1100-1200 किलोमीटर का सफर। कई बार मैं गाड़ी में सोता था और चाचा लाइन में लगते थे। जब मैं इंडियन आइडल सीजन 14 का विनर बना, तो वो सारे पल याद आते हैं। सवालः प्राइज मनी का क्या किया? जवाबः मैंने म्यूजिक में इन्वेस्ट किया। माइक, लैपटॉप, ऑडियो इंटरफेस, गिटार लेकर अपना छोटा स्टूडियो बनाया, ताकि खुद की आवाज और काम पर बेहतर काम कर सकूं। सवालः 'धुरंधर 2' का मौका आपको कैसे मिला? जवाबः जब धुरंधर 1 रिलीज हुई, मैं अपने दोस्त आदित्य प्रताप के साथ फिल्म देखने गया था। इंटरवल में उसने कहा–'काश तुम्हारा भी इस फिल्म में गाना होता।' हमने उस बात को बहुत दिल से चाहा। फिर 9 फरवरी को रात 2 बजे अचानक मुझे कॉल आया कि मुझे म्यूजिक डायरेक्टर शाश्वत सचदेव और डायरेक्टर आदित्य धर के पास जाना है। उसी दिन मैंने काफी प्रैक्टिस की थी, तो मैं पूरी तरह तैयार था। सवालः पहली मुलाकात और ऑडिशन का अनुभव कैसा रहा? जवाबः मैं उनके घर के स्टूडियो पहुंचा। वहां दोनों को सामने देखकर मैं थोड़ा नर्वस था। शाश्वत सर ने मुझे गाने के लिए कहा। जब मैंने गाया, तो आदित्य सर ने कहा–'तुम्हारी आवाज में कुछ खास है, तुम बहुत आगे जाओगे।' यह सुनकर मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया और मैंने पूरी ईमानदारी से गाना गाया। सवालः 'मन अटकेया' गाना कैसे तैयार हुआ? जवाबः शुरुआत में मैंने कई स्क्रैच वर्जन गाए। इस गाने के करीब 6 वर्जन बने। जो फाइनल वर्जन आज लोग सुनते हैं, वह मैंने एल्बम लॉन्च वाले दिन सुबह 6 बजे सिर्फ 15 मिनट में रिकॉर्ड किया।

यह गाना बाबा बुल्ले शाह के कलाम पर आधारित है, इसलिए इसे पूरी भावना और सम्मान के साथ गाया। सवालः रणवीर सिंह से मुलाकात कैसी रही? जवाबः म्यूजिक लॉन्च पर उनसे मिला। उन्होंने मुझे गले लगाया और कहा–'बहुत कमाल गाया है।' सबसे खास बात ये थी कि उन्होंने मुझे नाम से याद रखा और बाद में भी 'वैभू' कहकर बुलाया। वो बहुत अच्छे इंसान हैं। सवालः गाने के बाद कैसा रिस्पॉन्स मिला? जवाबः बहुत अच्छा। इंस्टाग्राम पर रील्स बन रही हैं।एक दिन मैंने अपने ही गाने को जूस की दुकान पर बजते सुना–वो मेरे लिए बहुत बड़ा मोमेंट था।

सुनीता आहूजा ने गोविंदा को जमकर किया रोस्ट, भांजे कृष्णा अभिषेक की बोलती बंद

मुंबई। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा उनके बारे में बोलने या तंज करने का एक मौका नहीं छोड़ रही हैं। सुनीता ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वह गोविंदा जैसा बेटा तो चाहती हैं, पर उनके जैसा पति नहीं चाहिए। अब वह 'लाफ्टर शेफ्स 3' में पहुंचीं, और भांजे कृष्णा अभिषेक के सामने गोविंदा को खूब रोस्ट किया। उन्होंने गोविंदा को गोली लगने वाली घटना को लेकर भी 'ची ची' की खिंचाई की। मामी सुनीता का अंदाज देख कृष्णा अभिषेक भी हैरान रह गए। सिर्फ वही नहीं, बल्कि 'लाफ्टर शेफ्स 3' के सभी कंटेस्टेंट्स और यहां तक कि होस्ट भारती सिंह भी दंग रह गईं। सुनीता आहूजा ने सिर्फ गोविंदा को ही नहीं, बल्कि कृष्णा अभिषेक और एल्विश यादव को भी खूब रोस्ट किया। जब कृष्णा ने मामी सुनीता आहूजा से कुछ पूछने की कोशिश की, तो उन्होंने उनकी बोलती ही बंद कर दी। मेकर्स ने 'लाफ्टर शेफ्स 3' का प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें सुनीता आहूजा का कॉमिक और मसखरा अंदाज देखने को मिल रहा है। प्रोमो में दिखाया गया है कि भारती जब एल्विश से कहती हैं कि वो सुनीता आहूजा से मिल लें, तो सुनीता बोलती हैं, 'मैं इसको कोर्ट में मिलती रहती हूं।' यह सुनकर कृष्णा अभिषेक ने पूछा, 'आप कोर्ट में क्या करती हैं?' इसी बात पर सुनीता भांजे कृष्णा की खिंचाई कर देती हैं और जवाब देती हैं, 'तू इतने साल से पेटिकोट में है, मैंने पूछा नहीं, तू मुझे क्यूं पूछ रहा है?' मामी की बात सुन कृष्णा अभिषेक मुंह खोले देखते रह जाते हैं।

अनीत पड्डा- 'शक्ति शालिनी' के सेट से सामने आया नया लुक, दो चोटी और स्कूल यूनिफॉर्म में

मुंबई। अनीत पड्डा इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म 'शक्ति शालिनी' की एक झलक सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस छोटे से वीडियो ने तुरंत सबका ध्यान खींचा है, खासकर उनके दमदार नए अवतार की वजह से, जो उनकी पहले की छवि से बिल्कुल अलग है। वीडियो के वायरल होने के बाद से इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा और भी बढ़ गई है। 'सैयारा' (2025) में एक सिंपल और सहज किरदार निभाने के बाद अनीत 'शक्ति शालिनी' के साथ एक कहीं अधिक मुश्किल रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उन्हें डबल रोल्स में दिखाया जाएगा- शक्ति, एक रक्षक

शक्ति, और शालिनी, एक अधिक क्रूर और विनाशकारी व्यक्तित्व। हालांकि फिल्म निर्माताओं ने कहानी को गुप्त रखा है, लेकिन उनके किरदारों के बीच का अंतर पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। वीडियो वायरल होने के बाद से ही इंटरनेट पर लोगों ने प्यार दिखाया है। सोशल मीडिया पर दर्शक उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और 'अनीत को शुभकामनाएं' और 'उन्हें और टीम को ढेर सारी बधाई' जैसे कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'मैडॉक को उम्मीद है कि यह फिल्म अच्छी बनेगी। अनीत और टीम को शुभकामनाएं', कई लोगों ने वीडियो को शेयर करके भी इस पर गाने लगाए हैं। 2025 में अनीत पड्डा को आधिकारिक तौर पर 'शक्ति शालिनी' की लीड एक्ट्रेस के तौर पर चुना गया था, जिससे वह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स के साथ भी जुड़ गईं। 21 अक्टूबर, 2025 को रिलीज हुई फिल्म 'थामा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में पहली बार उनके किरदार की झलक दिखाई गई थी, जहां उन्हें 'सृष्टिकर्ता, संहारक और सबकी माता' के रूप में दिलचस्प ढंग से पेश किया गया था। 24 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'शक्ति शालिनी' पहले से ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। हालांकि, जानकारी को लेकर सबकुछ अभी सामने नहीं आया हैं, लेकिन हाल ही में लीक हुई झलक ने दर्शकों की एक्साइटमेंट बनाए रखने के लिए काफी कुछ दिखाया है, जो अनीत पड्डा के लिए एक पावरफुल रोल का हिंट दे रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।